जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, रविवार 16 अप्रेल, 2023

3000/- Sq Ft में कोठी...!!!

2000 Sq Ft वाली BIG कोठी सिर्फ 60 लाख में !

KEDIA

सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

LOCATION QR CODE

विचार बिन्दु

निश्चंत मन, भरी थैली से अच्छा है। –अरबी कहावत

स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए निद्रा अनिवार्य है

गंगा नदी के तट पर प्रात: घूमकर थोड़ा घाट के सौन्दर्य का आनंद लेने के लिये बैठे ही थे कि सब की तरह हमने भी मोबाइल में सोशल मीडिया को खंगाला। मित्र-मंडली में जुड़ने का आग्रह था। जुड़ गये। भूल भी गये। बहुत दिन बाद लम्बी बातचीत के बाद उनसे गहरी मित्रता हो गयी। एक दिन एक एलर्जिक राइनाइटिस के रोगी को हमने उन्हें दिखाने की सलाह दिया। जांच-पड़ताल के बाद कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आये। इलाहबाद के डॉ. वी.बी. मिश्रा, जिनकी हम बात कर रहे थे उन्होंने रोगी को बताया कि आप प्रति रात कम से कम सात घंटे की नींद लिया करें तो आपका एलर्जिक राइनाइटिस शीघ्र ठीक हो जायेगा। तो क्या नींद का एलर्जिक राइनाइटिस से कोई रिश्ता है? हमने संहितायें पुन: सम्हाली। आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों और शोध-पत्रों का डाटाबेस खंगाला। आज की चर्चा पुन: नींद न लेने से उत्पन्न होने वाले पचड़ों पर केन्द्रित है।

आयुर्वेद में निद्रा को आहार एवं ब्रह्मचर्य केसमकक्ष जीवन का उपस्तम्भ माना गया है। आयुर्वेद का मानना है कि उचित समय व मात्रा में नींद व्यक्ति को पुष्टि, साफ रंग, बल, उत्साह, तेज भूख, अनालस्य व धातुसाम्य देती है (सु.चि. 24.88): पुष्टिवर्णबलोत्साहमग्निदीप्तिमतन्द्रिताम्। करोतिधातुसाम्यं च निद्रा काले निषेविता।। सुख-दु:ख, दुष्टि-पुष्टि, मोटापा-पतलापन, बल-दुर्बलता, पुंसत्व-नपुसंकता, ज्ञान-अज्ञान, जीवन-मृत्यु सब निद्रा पर ही आधारित होते हैं। पर्याप्त नींद हमें सुखी, पुष्ट, बली, ज्ञानी व दीर्घायु बनाती है। सूर्योदय काल/सूर्यास्त काल में सोना (मिथ्यायोग), उचित मात्रा से कम नींद (हीनयोग) या उचित मात्रा से अधिक सोना (अतियोग) स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। रात्रि में सही समय पर नींद लेने पर स्वस्थ शरीर और सुखी जीवन तो मिलता ही है, यह सम्पन्नता का आधार भी है (च.सू. 21.36-38): निद्रायत्तंसुखंदु: खंपुष्टि:काश्यँबलाबलम्। वृषताक्लीवताज्ञानमज्ञानंजीवितं न च।। अकालेऽतिप्रसङ्गाच्च न च निद्रा निषेविता। सुखायुषीपराकुर्यात्कालरात्रिरिवापरा।। सैवयुक्तापुनर्युङ्क्ते निद्रा देहंसुखायुषा। पुरुषंयोगिनंसिद्ध्या सत्या बुद्धिरिवागता।। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हम उचित मात्रा और समय पर नहीं सोते तो उपरोक्त वर्णित लाभों के उलट हानि ही होना है।

दरअसल आज नींद उड़ाने के कई कारण हमारी जीवा-शैली में घुस गये हैं। उदाहरण के लिये विरेचन, डर, चिन्ता, गुस्सा, बहुत अधिक धूमपान और व्यायाम, व्रत, रक्तमोक्षण, कष्टकारी बिस्तर, सतोगुण की अधिकता या योगाभ्यास, तमोगुण पर विजय, कार्यों की अधिकता, बुढ़ापा, दर्द व वात विकारों के बढ़ने से नींद नहीं आती है (च.सू. 21.55-57): कायस्यशिरसश्चैववरिकश्छर्दनंभयम्। चिन्ता क्रोधस्तथाधूमोव्यायामोरक्तमोक्षणम्।। उपवासोऽसुखा शय्या सत्त्वौदार्यंतमोजय:। निद्राप्रसङ्गमहितंवारयन्तिसमुत्थितम्।। एतएव च विज्ञेयानिद्रानाशस्यहेतव:। कार्यंकालोविकारश्चप्रकृतिर्वायुरेव च।। ये तमाम ऐसे कारण हैं जिनसे हमारा दिन-रात वास्ता पड़ता है और हम अपनी नींद उड़ा बैठते हैं। रात भर जागते हैं और फिर दिन में सोने का बहाना ढूँढ लेते हैं। और फिर होती है शुरुआत तमाम समस्याओं की, जो हमें अंतत: बीमार कर देते हैं।

दिन में सोने से स्वास्थ्य-संबंधी अनेक समस्यायें होती हैं। वस्तुत: ग्रीष्म ऋतु के अलावा अन्य ऋतुओं में स्वस्थ व्यक्ति के दिन में सोने से कफ और पित्त बढ़ते हैं। मोटे लोग, खूब घी खाने वाले लोग, कफ प्रकृति या कफज रोगों से ग्रसित लोग और विष-पीडित लोगों को दिन में नहीं सोना चाहिये, अन्यथा, सिर दर्द, अंगों में भारीपन, अग्निमांद्य और पाचन शक्ति में कमी, जो असल में समस्त रोगों का मूल है, जी मिचलाना, त्वचा में चकत्ते, फुंसियाँ, खुजली, आलस्य, स्मृति एवं बुद्धि में गड़बड़ी, इन्द्रियों में अक्षमता, स्त्रोतोवरोध, बुखार जैसी समस्यायें होती हैं (च.सू. 21.44-49): ग्रीष्मवर्ज्येषुकालेषुदिवास्वप्नात्प्रकुप्यत:। श्लेष्मपित्तेदिवास्वप्नस्तस्मात्तेषु न शस्यते।। मेदस्विन:स्नेहनित्या:श्लेष्मला:श्लेष्मरोगिण:। दूषीविषार्ताश्छिदवा न शयीरन्कदाचन।। हलीमक:शिर:शूलंस्तैर्मित्यंगुरुगात्रता। अङ्गमर्दोऽग्निनाशश्चप्रलेपोहृदयस्य च।। शोफारोचकहृल्लासपीनसार्धावभेदका:। कोठारु:पिडका:कण्डूस्तन्द्राकासोगलामया:।। स्मृतिबुद्धिप्रमोहश्चसंरोध:स्त्रोतसांज्वर:। इन्द्रियाणामसामर्थ्यंविषवेगप्रवर्तनम्।। भवेन्नृणांदिवास्वप्नस्याहितस्यनिषेवणात्। तस्माद्धिताहितंस्वप्नंबुद्ध्वास्वप्यात्सुखंबुध:।।

ऐसी जीवन-शैली त्रिदोष-भड़काऊ हो जाती है जिसमे नींद की कमी के साथ आहार, विहार, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त आदि भी सदैव नहीं सम्हाले जायें। उदाहरण के लिये तर माल खाने, शारीरिक व मानसिक व्यायाम न करने और ख़ूब सोने से दिल के रोग होते हैं (च.सू.17.34):अत्यादानंगुरुस्निग्धमचिन्तनमचेष्टनम्। निद्रासुखंचाभ्यधिकंकफहृद्रोगकारणम्।। बात तो और भी कठिन हो जाती है जब कार्यों की चिंता न की जाये, खूब बेहिसाब-किताब खाया-पिया जाये और खूब सोने से आदमी सुअर की तरह मोटा हो जाता है (च.सू. 21.34): अचिन्तनाच्चकार्याणांध्रुवंसंतर्पणेन च। स्वप्नप्रसङ्गाच्चनरो वराह इवपुष्यति।।

दिन में सोना स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है। केवल अपवाद-स्वरूप संगीतज्ञ, गहन अध्येता, मद्यसेवी, थका-हारा, पैदल चलने से कमजोर, अजीर्ण कारोगी, घायल, बूढ़े, बालक, स्त्री, अतिसार व दर्द से पीड़ित श्वास रोगी, हिचकी से पीड़ित, उन्माद रोगी, वाहनों में बैठकर थके व जगे हुये लोग, गुस्सा, शोक व भय से दु:खी लोगों द्वारा दिन में सोने से धातुसाम्य, बल की वृद्धि, अंग-पुष्टि,व जीवन में स्थिरता आती है। इसके अलावा ग्रीष्म ऋतु में सूखापन, वात-वृद्धि, छोटी रातें होने से दिन में झपकी मारना हितकारी होता है (च.सू. 21.39-43): गीताध्ययनमद्यस्त्रीकर्मभाराध्वकर्शिता:। अजीर्णिन:क्षता:क्षीणावृद्धाबालास्तथाऽबला:।। तृष्णातीसारशूलार्ता:श्वासिनोहिक्किन:कृशा:। पतिताभिहितोन्मत्ता:क्लान्तायानप्रजागरै:।। क्रोधशोकभयक्लान्तादिवास्वप्नोचिताश्च ये। सर्व एतेदिवास्वप्नंसेवेरन्सार्वकालिकम्।। धातुसाम्यं तथा ह्येषांबलंचाप्युपजायते। श्लेष्मा पुष्णातिचाङ्गानिस्थैर्यंभवतिचायुष:।। ग्रीष्मेत्वादानरूक्षाणांवर्धमाने च मारुते।रात्रीणांचातिसंक्षेपाद्दिवास्वप्न:प्रशस्यते।।

रात में सात घंटे से कम सोने से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और स्ट्रोक, अवसाद, मृत्यु का जोखिम, प्रतिरक्षा तंत्र में बिगाड़, दर्द में बढ़त, खराब कार्य प्रदर्शन, रोजमर्रा के काम में बढ़ी हुई त्रुटियों, और दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। असल में निद्रा एक प्राकृतिक औषधि है। पर्याप्त नींद लीजिये और स्वस्थ रहिये।

संहिताओं के इन सन्दर्भों के साथ यह भी जानना आवश्यक है कि नींद के सन्दर्भ में आधुनिक वैज्ञानिक शोध और आयुर्वेद के दृष्टिकोण में कोई अंतर नहीं है। भाषा अलग है अर्थ एक ही है। असल में तो निद्रा के संबंध में आयुर्वेदका दृष्टिकोण आधुनिक वैज्ञानिक शोध से और भी पुख्ता हुआ है। इस विषय पर अब तक लगभग 2,25,000 शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। आइये कुछ उदाहरण देखते हैं, पर सबसे पहले गंगा नदी के तट से शुरू हुई बात पर वापस आते हैं। डॉ. वी.बी. मिश्रा, जो देश के प्रख्यात आयुर्वेद सर्जन हैं, ने अनेक ऐसे रोगियों की एलर्जिक राइनाइटिस ठीक किया जो आधुनिक चिकित्सा पद्धति से हार-थक चुके थे। उनकी चिकित्सा में ढेर सारी युक्ति तो होती है किन्तु किसी भी एक समय में औषधियों की संख्या बहुत कम होती है। सबसे पहले रोगी की उड़ी नींद सम्हालते हैं। इसके लिये आवश्यकता हो तो एंक्जीकैल देते हैं। नींद दुरुस्त करने के बाद जेवीएन-7 जैसी औषधि से दीपन, पाचन करते हुये अग्नि में समत्व बैठाते हैं, और अग्नि दुरुस्त होने के बाद एलरकैल नामक औषधि और जेरलाइफ नामक एक रसायन योग देते हैं। डॉ. मिश्र का मानना है कि एलर्जिक राइनाइटिस तो एक संकेत मात्र है। असल में तो नींद की कमी से ओज में ऐसी कमी आती है कि अंतत: व्यक्ति किसी भी व्याधि से पीड़ित हो सकता है। डॉ.मिश्रा के अनुभव-जन्य ज्ञान से यह स्पष्ट हो जाता है कि लंबे समय तक एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित रहना और क्लिनिकल जांच-पड़ताल के बाद भी कारण स्पष्ट नहीं हो रहा हो तो आपको अपनी नींद का लेखा-जोखा देखना होगा।

इस अनुभवजन्य ज्ञान को नई शोध से भी बल मिलता है। वर्ष 2018 में प्रकाशित एक अध्ययन बिलकुल स्पष्ट कर देता है कि यदि नींद की गुणवत्ता, नींद का काल, नींद का कुल समय बिगड़ा हुआ है तो व्यक्ति एलर्जिक राइनाइटिस का शिकार हो सकता है। अमेरिकन जनसंख्या के बीच किये गये इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि निद्रा के पैरामीटर्स जिनमें स्लीपलेटेंसी, इनसोमनिया, स्लीप-एपनिया, स्लीप-डिस्टरबेंस, स्लीपमेडिकेशन का प्रयोग और दिन के समय उनींदे रहना के कारण एलर्जिक राइनाइटिस के प्रकरण बढ़े हैं।

इन समस्याओं से निपटने के लिये क्या किया जाये? आयुर्वेद की दृष्टि से देखें तो अच्छी नींद लाने का उत्तम उपाय सुझाये गये हैं। अभ्यंग, उबटन, स्नान, दही, दूध व घी के साथ पकाये गये शालि-चावल खाना, मन संतुष्ट रखना, मन-पसन्द सुगंध व शब्दों का उपयोग, शरीर को दबवाना, आंखों का तर्पण, सिर व शरीर में लेप, सुखदायी बिस्तर और सोने का शांत और समुचित स्थान, समय पर सोना अच्छी नींद के उपाय हैं (च.सू. 21/ 52-54): अभ्यङ्गोत्सादनंस्नानंग्राम्यानूपौदकारसा:। शाल्यन्नंसदधिक्षीरंस्नेहोमद्यंमन:सुखम्।। मनसोऽनुगुणागन्धा:शब्दा:संवाहनानि च। चक्षुषोस्तर्पणंलेप:शिरसोवदनस्य च।। स्वास्तीर्णंशयनं वेश्म सुखंकालस्तथोचित:। आनयन्त्यचिरान्निद्रांप्रनष्टा या निमित्तत:।।

नींद न आ रही हो तो सिर और शरीर में हलके हाथ से तेल का प्रयोग करते हुये अभ्यंग करना लाभकारी होता है। मधुर, स्निग्ध, भोजन जैसे शालि चावल, गेहूँ, पीठी से बने पदार्थ जो गन्ने के रस व दूध में पकाये गये हों, नींद लाने में लाभकारी रहते हैं। रात में द्राक्षा, शर्करा, गन्ने का रस से बने पदार्थ लेना तथा मन-पसंद नरम बिस्तर और बैठकी आदि भी निद्रा नाश को दूर करते हैं (सु.श.4.43-46): निद्रा नाशेऽभ्यङ्गयोगोमूर्ध्नितैलनिषेवणम्। गात्रस्योद्वर्तनंचैवहितंसंवाहनानि च।। शालिगोधूमपिष्टान्नभक्ष्यैरैक्षवसंस्कृतै:। भोजनंमधुरंस्निग्धंक्षीरमांसरसादिभि:।। रसैर्बिलेशयानां च विष्किराणांतथैव च। द्राक्षासितेक्षुद्रव्याणामुपयोगोभवेन्निशि।। शयनासनयानानिमनोज्ञानिमृदूनि च। निद्रा नाशेतुकुर्वीततथाऽन्यान्यपिबुद्धिमान्।। स्वाभाविक रूप से तो नींद तब आती है जब मन थक जाये, इन्द्रियाँक्रिया-रहित हो जायें, मन व इंद्रियाँ तमामपचड़ों से मुक्त हो जायें (च.सू. 21.35): यदा तुमनसिक्लान्तेकर्मात्मान:क्लमान्विता:। विषयेभ्योनिवर्तन्ते तदा स्वपितिमानव:।। इसी से सम्बंधित तथ्य यह भी है कि हृदय जो चेतना का स्थान है, जब तमस से अभिभूत हो जाता है तब नींद आती है (सु.शा.4.34): हृदयंचेतनास्थानमुक्तंसुश्रुतदेहिनाम्। तमोभिभूतेतस्मिंस्तु निद्रा विशतिदेहिनम्।।

सारांश में कहें तो रात में सात घंटे से कम सोने से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और स्ट्रोक, अवसाद, मृत्यु का जोखिम, प्रतिरक्षा तंत्र में बिगाड़, दर्द में बढ़त, खराब कार्य प्रदर्शन, रोजमर्रा के काम में बढ़ी हुई त्रुटियों, और दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। असल में आयुर्वेद, आधुनिक वैज्ञानिक शोध और अनुभवजन्य ज्ञान से बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि शायद ही ऐसी कोई बीमारी हो जिसका जोखिम निद्रा-अभाव के कारण ना बढ़ता हो। असल में निद्रा एक प्राकृतिक औषधि है। पर्याप्त नींद लीजिये और स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

विद्यापीठ प्राचीन और नवीनतम विचारों के समन्वय का प्रतीक: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि उदयपुर के 16 वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने कहा कि जीवन में सफलता और विफलता दोनों ही का अपना महत्व है। असफलताएं हमें निखारने आती हैं, असफलता के बाद हमेशा कोशिश जारी रखनी चाहिए और सीखते हुए जीवन में आगे बढना चाहिए। अभिभावक भी अपने बच्चों की योग्यताओं और क्षमताओं का आकलन उनके परिणामों से नहीं करके उनके सीखने के प्रयासों से करें। कोई भी लक्ष्य जीवन से बड़ा नहीं हो सकता है। युवाओं का परीक्षाओं के दबाव में जीवन को खोना हमारी सामाजिक विफलताओं को बताता है। इसके लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं। विद्यापीठ में विज्ञान प्रौद्योगिकी, चिकित्सा आधारित पाठयक्रमों के साथ-साथ प्रताप, मीरा के शोध पीठों का कार्य विद्यापीठ के प्राचीन और नवीनतम विचारों के समन्वय का प्रतीक है। राष्ट्र की वैश्विक प्रगति व विश्व गुरू के सम्मान का आधार उद्यमिता, कौशल विकास और नवीन अनुसंधानों से युक्त आज की युवा पीढी है।

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदान की 32 पी.एचडी की उपाधियां और 14 स्वर्ण पदक**
- **विद्यापीठ ने हर क्षेत्र में अपने आप को उत्कृष्ट मान दण्डानुसार साबित किया : प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत**

उदयपुर के जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विवि के 16 वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कुलपति कर्नल प्रो. सारंगदेवोत ने सम्मान किया।

कुलपति प्रो. एस एस सारंगदेवोत ने बताया कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतापनगर स्थित विद्यापीठ विवि परिसर में लगी संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दनराय नागर की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की, एनसीसी के कैडेटस ने रक्षामंत्री को गार्ड आफ ऑनर प्रदान किया। इसके बाद दो करोड़ रूपयों की लागत से तैयार पवेलियन, क्रिकेट स्टेडियम व प्रात: स्मरणीय महाराणा प्रताप की चेतक आरूढ प्रतिमा का लोकार्पण कर नमन किया। कुलपति प्रो सारंगदेवोत ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 32 पी.एचडी धारकों को उपाधियां और 14 स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के स्वर्णपदक प्रदान किए। समारोह की शुरूआत में रित्विका अकादमिक प्रोसेशन से हुई। कर्नाटक भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. तेजस्विनी अनंत कुमार को जनार्दनराय नागर संस्कृति रत्न सम्मान से नवाजा गया जिसके तहत उन्हें रजत पत्र, प्रतीक चिन्ह, उपरणा, पगडी, प्रशस्ति पत्र व एक लाख रूपये नकद राशि दी गई।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी अनिल सिंह, दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर युपी के कुलपति प्रो. राजेश सिंह, श्रीगोविन्द गुरू विवि गोधरा के कुलपति प्रो. प्रताप सिंह चौहान, कुल प्रमुख बीएल गुर्जर, रजिस्ट्रार हेमशंकर दाधीच ने भी विचार व्यक्त किए।

रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने कहा कि संस्कार युक्त युवा जहां एक ओर समाज के लिए कल्याणकारी होता है वहीं संस्कार रहित युवा समाज के लिए विनाशकारी होता है। भारतीय सभ्यता का आधार हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत है। यही कारण है कि हजारों वर्षों बाद भी भारतीय संस्कृति अपने अस्तित्व को बनाए हुए है। लंबे कालखंड में भारतीय सभ्यता ने भौतिक उठापटक के दौर देखे लेकिन संस्कारों और आध्यात्मिकता का अस्तित्व आज भी बना हुआ है। उदयपुर आकर अभिभूत हुए रक्षामंत्री ने कहा कि जब भी मैं राजस्थान में आता हूं मुझे राणा की शक्ति, मीरा की भक्ति, पन्नाधाय की युक्ति और भामाशाह की संपत्ति स्वाभाविक रूप से ध्यान में आती है। राजस्थान की हवाओं में उनकी कथाएं बराबर तैरती रहती है। दीक्षांत समारोह में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ परिवार के सदस्यों के बीच उपस्थित होना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है।

मुझे शूरवीर पराक्रमी और उदयपुर की धरती के सपूत महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रतिमाएं हमारी महान विभूतियों के विचारों और संस्कारों की विरासत को सहेज कर रखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम होती है, उन विभूतियों के सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता का भी यह प्रतीक होती है। लगभग 500 साल बाद भी महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण होना व यहां स्थापित होना यह बताता है कि चाहे कितना भी समय गुजर गया हो, चाहे पीढि यां कितने भी आगे बढ गई हो, हमारे समाज और राष्ट्र में प्रताप का प्रताप सदैव विद्यमान रहेगा इससे यह संदेश स्पष्ट जाता है। मैं उनकी स्मृति को भी प्रणाम एवं नमन करता हूं। कुलपति प्रो एसएस सारंगदेवोत ने कहा कि आज विद्यापीठ ने हर क्षेत्र में अपने आप को उत्कृष्ट मापदंडानुसार साबित किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को भावी जीवन में सफलता के साथ-साथ संस्कारों से परिपूर्ण भारतीय विचारधारा को अपनाने व बनाए रखने का आव्हान किया।

मसूदा-ब्यावर मेगा हाईवे सड़क मार्ग कई जगह से टूटा, लोग परेशान

मसूदा, (निसं)। राजस्थान विधानसभा के इस वर्ष आम चुनाव से पहले मेगा हाईवे सड़क मार्ग का कार्य हो सकता है या नहीं समय टकटकी लगाए देख रहा है। क्षेत्रीय विधायक व अधिकारियों की अनदेखी के कारण मसूदा ब्यावर के लोग धूल भरे माहौल में जीने को मजबूर है। टूटी सड़कों के कारण मसूदा ब्यावर में कई जगह से हालात बने हुए हैं बारिश के बाद टूटी सड़कों पर जमा मिट्टी सूख गई है। अब ज्यादा धूल उड़ने लगी है। इससे राहगीरों को परेशानी हो रही है।

धूल के गुबार की वजह से लोगों का कई सड़कों पर चलना दुर्लभ हो चुका है। क्षतिग्रस्त सड़क धूल मिट्टी होने से हालात इस कदर खराब हो गए हैं कि लोगों ने ब्यावर मसूदा सड़क पर निकलना तक कम कर दिया है। वाहन चालकों ने सड़कों पर दिनभर धूल के आगोश में निकलने को मजबूर हो रहे है। इससे हालात मसूदा कस्बे से आडवाणीया, खिमपुरा चौराहा, ब्यावर घाटा, पाखरियास सड़कों का ऐसा ही हाल है। धूल की वजह से सबसे ज्यादा सड़क मार्ग जगह जगह से धरती का सीना छलनी, सड़क के आसपास खेतों एवं दुकानदारों की दुकाने होने की वजह से दिनभर सैकड़ों वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। जहां दिन भर मिट्टी की धूल के गुबार उड़ते देखते हैं जिसमें आने जाने वाले लोगों को सांस लेना भी दुश्वार हो चुका है। वहीं टूटी सड़कें के कारण राजस्थान सरकार पथ परिवहन निगम की बसें भी इस मार्ग से कम ही गुजरती है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। विद्यालय आने जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी इस मिट्टी की गुब्बारों के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार तो छात्राओं को मुंह पर रुमाल रखकर जाना पड़ता है। चुनावी सभाओं में राजनेताओं की ओर से बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन आज तक वह खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं। वहीं इसको लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी को अवगत भी करवा चुके हैं। लेकिन उनका भी ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है जिससे ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है। राजस्थान सरकार ने मसूदा ब्यावर स्टेट हाईवे पीपी मोड पर डाल देने की वजह से आम जनता को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों एवं दुकानदारों को ज्यादा परेशानी धूल से सबसे ज्यादा परेशानी इन सड़कों पर स्थित खेत एवं दुकानदारों को हो रही है किसानों एवं दुकानदारों का कहना है कि पूरे दिन वाहनों की आवाज आई से धूल के गुबार उड़ते रहते हैं।

पुस्तक समीक्षा

आप जैसा कोई नहीं

पुस्तक के शीर्षक से ही यदि कोई इसके प्रणयकथा होने का अनुमान लगाता है, तो पहले ही अध्याय 'इतवार के उस दिन' से गुजरते ही उसकी यह धारणा निर्मूल ही रह जाती है।

राहुल हेमराज ने आज के समय व समाज की जरूरत को परखते हुए व्यक्तित्व निर्माण व जीवन प्रबंधन को अपना विषय बनाया है। विषय की गूढ़ और गहनगम्य अवधारणाओं को उनके मीमांसाकार ने किसी संत के प्रवचनों की तरह न कह कर ऐतिहासिक, पौराणिक आदि दृष्टान्त के साथ उन्हें सार्थक रूप से परिभाषित किया है।

उनके आलेखन की दो खासियतें साफ-साफ दिखाई देती है, उनमें एक तो यह कि आलेख के आमुख में कोई न कोई विद्वान, दार्शनिक, लेखक, कवि की टिप्पणी, सुभाषित, सूक्ति या कविता आदि का उल्लेखन, दूसरा यह कि वे अपनी मौलिक विश्लेषणाओं के जरिए सार तत्व को पाठक के हवाले न छोड़कर स्वयं सुस्थापित करते हैं तथा

आलेख के अंत में किसी वैज्ञानिक प्रयोग को सिद्ध करने की तरह निष्कर्ष भी अंकित करते हैं। इस तरह वे एक निश्चित सारांश के माध्यम से व्यक्ति व समाज का पथ सुगम बनाते हैं।

राहुल हेमराज का जन्म राजस्थान के पाली जिले के गाँव बांकली में 21 अप्रैल, 1970 में हुआ। डॉक्टर पिता के तबादलों के कारण अलग-अलग गाँवों में उनकी प्रारम्भिक शिक्षा हुई। बांगड़ महाविद्यालय, पाली में वाणिज्य में स्नातक किया।

–भानु भारवि,
कवि, लेखक, नाट्य समीक्षक

अजमेर में करोना के 36 पॉजिटिव मरीज मिले

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में शनिवार को 36 नए कोविड संक्रमित मरीज चिन्हित हुए हैं। यह सभी मरीज शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सामने आए हैं। अप्रैल महीने में अब तक 159 पॉजिटिव मरीज दर्ज किए गए।

जानकारी के अनुसार हेल्थ डिपार्टमेंट के द्वारा सभी को होम क्वारैंटाइन किया गया है। साथ ही पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए लोगों की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शनिवार को अजमेर शहर के वैशाली नगर, कोटड़ा, रामगंज, कैसरगंज, डिग्गी बाजार, चंद्रवरदाई और लोहा खान क्षेत्र से 36 कोविड-19 पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं।

इनमें बच्चे बुजुर्ग और महिलाएं शामिल है। सभी पॉजिटिव मरीजों को हेल्थ डिपार्टमेंट के द्वारा 7 दिन के लिए होम क्वारैंटाइन किया गया है। इसके साथ ही पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए लोगों को चिन्हित कर उनकी भी जांच की जा रही है। जिससे कि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

- **भीलवाड़ा में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ़्तार रुकी**

स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमितों की हिस्ट्री को फिर खंगालना शुरू कर दिया है। अभी तक की पूछताछ में सामने आया कि किसी भी पॉजिटिव ने अभी तक ट्रैवलिंग करके नहीं आ रहा है। भीड़ वाले क्षेत्रों में बिना मास्क के जाने, एक दूसरे की जगह हाथ लगाने, सैनिटाइजर व हाथ धोने की आदत भूलने के कारण ही लोग कोविड-19 हो रहे हैं। वहीं भीलवाड़ा में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ़्तार पर शनिवार को ब्रेक लगा है। आज कोई नया कोविड पॉजिटिव नहीं मिला है। वहीं तीन रोगियों ने कोरोना को मात दी है। आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि शनिवार को कोविड पॉजिटिव एक भी रोगी नहीं मिला। वहीं पूर्व संक्रमित तीन रोगियों ने उपचार लेकर कोरोना को मात दी है। डॉक्टर चावला का कहना है कि भीलवाड़ा में अभी 16 एक्टिव केस है।

राशिफल रविवार 16 अप्रैल, 2023

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 4:06 तक, शुक्ल योग रात्रि 12:12 तक, बव करण प्रात: 7:30 तक, चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज महापात योग रात्रि 12:18 से रात्रि 4:49 तक है। दग्ध योग सांय 6:14 से सूर्योदय तक है। आज वरूथिनी एकादशी, श्री वल्लाभाचार्य जयन्ती है। आज पंचक और वैधृति पुण्य है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:40 से 9:16 तक, लाभ-अमृत 9:16 से 12:27 तक, शुभ 2:02 से 3:37 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:47

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 181 प्रभात कोटा, रविवार 16 अप्रेल, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पर्यावरणविद पारम्परिक तौर पर मानते आए हैं कि ''एन्डेन्जर्ड'' टाइगर्स नेपाल के दक्षिणी मैदानी भागों के सर्वोच्च परभक्षी हैं। इसी तरह ''वल्नरेबल'' लैपर्ड (तेंदुआ) पहाड़ी भागों पर राज करते हैं और ''वल्नरेबल'' स्नोलैपर्ड सुदूर उत्तर के पहाड़ी भागों के शहंशाह हैं। लम्बे अर्से से इस देश के स्कूलों में भी यही पढ़ाया जाता रहा है। पर विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि, जलवायु परिवर्तन टाइगर व लैपर्ड को निरंतर अनुकूल हैबिटैट की तलाश में उत्तर की तरफ धकेल रहा है तथा वो स्नोलैपर्ड की टैरिटरी में घुस रहे हैं। तीनों प्रजातियों की रेंज में पहले से ही ''ओवर लैप'' है, विशेष रुप से ऊँचाई वाले क्षेत्र में। कैमरा ट्रैप में पूर्वी नेपाल में 3000 मीटर की ऊंचाई पर टाइगर की तस्वीरें मिली हैं, जो कि स्नोलैपर्ड का क्षेत्र है। भारत और भूटान में तो टाइगर और लैपर्ड और भी ज्यादा ऊंचाई, क्रमशः 3600 और 4000 मीटर, पर देखे गए हैं, इतना ही नहीं, 5400 मीटर की ऊँचाई पर लैपर्ड की तस्वीरें ली गई हैं। माना जाता है कि, स्नोलैपर्ड 3000 से 5000 मीटर की ऊंचाई पर रहते हैं। जहां तक कुछ कम ऊँचाई पर रहने वाली बिग कैट्स, टाइगर और लैपर्ड की बात है, टाइगर, लैपर्ड को उनके क्षेत्र के बाहरी किनारे तक धकेल देने के लिए जाने जाते हैं, तथा दोनों का भोजन भी समान है। लेकिन टाइगर स्नोलैपर्ड के साथ कैसे पेश आते हैं इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं हैं। पर्यावरणविद् बिक्रम श्रेष्ठा कहते हैं कि, टाइगर की तुलना में स्नोलैपर्ड कमजोर होते हैं और अगर दोनों का आवास समान हुआ तो टाइगर स्नोलैपर्ड को बेदखल कर सकते हैं। श्रेष्ठा कहते हैं कि, लैपर्ड व स्नोलैपर्ड के मामले में भी यही स्थिति होगी और लैपर्ड लाभ में रहेंगे। संरक्षणविद्, केदार बराल का कहना है कि, ''गर्म होते विश्व में टाइगर व लैपर्ड का स्नोलैपर्ड से टकराव बढ़ सकता है। हमारे शोध बताते हैं कि सामान्य लैपर्ड उत्तर में ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ रहे हो सकते हैं, क्योंकि, ऊँचाई वाले क्षेत्र, जो पहले इनके लिए उपयुक्त नहीं थे, अब गर्मी बढ़ने के कारण इन्हें रास आएंगे। श्रेष्ठा की रिसर्च बताती है कि, स्नोलैपर्ड भी और ऊंचे क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, क्योंकि, उनकी मौजूदा रेंज में तापमान बढ़ रहा है।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अमित शाह ने गहलोत व कांग्रेस हाई कमान पर तीखा कटाक्ष किया

शाह के अनुसार पायलट को ज्यादा अंक मिल सकते हैं, जमीनी स्तर पर अच्छा काम करने के लिये, पर गहलोत को उनसे ज्यादा मार्क्स मिल रहे हैं, हाई कमान की तिजोरी में अधिक पैसा डालने की वजह से

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा कांग्रेस नेतृत्व पर कटाक्ष किया है। राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुये, अमित शाह ने कहा कि वे सचिन पायलट को यह बता देना चाहते हैं कि उनका मुख्यमंत्री बनने का नम्बर कभी नहीं आयेगा क्योंकि राजस्थान में अगली सरकार भाजपा बनायेगी।

उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करने के मामले में सचिन पायलट के ज्यादा नम्बर हो सकते हैं, लेकिन कांग्रेस के कोष में ज्यादा पैसा पहुँचाने के मामले में ज्यादा नम्बर अशोक गहलोत के हैं।

अपने इस बयान के जरिये, अमित शाह ने गहलोत पर निशाना साधते हुये, उन्हें गांधी परिवार का ''मनी बैग'' बताया है तथा गांधी परिवार पर निशाना साधते हुये कहा है कि यह परिवार एक ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री के रूप में पसद करता है, जो नेतृत्व को पैसा देता है, ऐसे व्यक्ति को नहीं, जिसने जमीनी स्तर पर ज्यादा काम किया है। दूसरे शब्दों में, अमित शाह कह रहे हैं कि ''पैसा बोलता है कांग्रेस पार्टी में,'' और यह एक निष्पक्ष आंकलन है क्योंकि गांधी परिवार गहलोत को हटाने में असमर्थ रहा है क्योंकि वे पार्टी कोष में पैसा पहुँचाते हैं।

- **अमित शाह ने कांग्रेस हाई कमान पर भी तंज कसते हुए कहा, यह दुख की बात है, कांग्रेस हाई कमान ने उस व्यक्ति को मु.मंत्री बनाया, जो ज्यादा पैसा देता है, बनिस्पत उस व्यक्ति के जिसने धरातल पर ज्यादा काम किया है।**
- **अमित शाह के कथन का भावार्थ है कि, ''कांग्रेस में पैसा बोलता है।''**
- **कांग्रेस व भाजपा के संबंध भी अचानक काफी जटिल हो गये हैं।**
- **भाजपा हाई कमान वसुंधरा राजे को पसंद नहीं करता और दूसरी ओर कांग्रेस हाई कमान भी गहलोत से नाखुश है, पर दोनों हाई कमान उन व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर पा रहे, जिन्हें वे पसंद नहीं करते।**
- **साथ ही वसुंधरा राजे व गहलोत के संबंध काफी नजदीकी के हैं, और संकट के समय एक दूसरे की खूब मदद करते हैं, अमित शाह ने गहलोत-वसुंधरा राजे के अजीबोगरीब संबंधों पर अपनी टिप्पणी से अप्रत्यक्ष प्रहार भी किया है।**

सचिन पायलट ने अनशन पर बैठकर वसुंधरा के भ्रष्टाचार को निशाना बनाया था, लेकिन अमित शाह के अनुसार, लेकिन यह काम भी अच्छा हनीं माना गया तथा इसको लेकर, सचिन पालयट की खिंचाई की जा रही है।

क्या अमित शाह, सचिन पायलट को ईमानदार तथा अशोक गहलोत को भ्रष्ट बता रहे हैं?

ग़ज़ब!! कांग्रेस और भाजपा के बीच, राजनैतिक परिदृश्य बड़ा कठिन हो गया है।

भाजपा नेतृत्व वसुंधरा को पसंद नहीं करता। कांग्रेस नेतृत्व अशोक गहलोत को पसंद नहीं करता।

लेकिन दोनों ही पार्टियों का नेतृत्व अपने नापसंद व्यक्तियों के खिलाफ कदम उठाने में असमर्थ हैं।

वसुंधरा और गहलोत बहुत अच्छे मित्र हैं तथा इस उक्ति को चरितार्थ कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार ने विपक्ष की एकता को एक और झटका दिया

पवार ने कर्नाटक में 40-45 सीटों पर अपनी पार्टी का उम्मीदवार खड़ा करने की घोषणा की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनावों को अन्य विभिन्न विधानसभाओं तथा 2024 के आम चुनावों के ''फुल ड्रैस रिहर्सल'' की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन गौरतलब बात यह है कि कर्नाटक चुनावों में कई मोड़ और घुमाव भी आने लगे हैं जो राष्ट्रीय राजनीति की प्रकृति की रूपरेखा के मुश्किल होने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। विपक्षी दलों के दबाव के आगे झुकने के एक दिन बाद ही, एन.सी.पी. नेता शरद पवार पीछे हटते तथा ''विपक्षी एकता'' के हित में अडानी-मुद्दे पर ''यू-टर्न'' लेते नज़र आ रहे हैं। उनकी पार्टी की तरफ से आगे इस विस्फोटक बयान का लक्ष्य फिलहाल कर्नाटक कांग्रेस है। यह सुनिश्चित ही है, पवार की पार्टी 10 मई को हो रहे कर्नाटक विधानसभा चुनावों में 40-45 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। एन.सी.पी. के इस कदम को उस पार्टी के लिये पिच को खराब करना ही कहा जायेगा, जो इस समय, स्वयं को राज्य में सबसे आगे तथा राज्य की सत्ता को सत्तारूढ़ भाजपा से छीन लेने में समर्थ मान रही है।

एन.सी.पी. के प्रवेश से कर्नाटक चुनाव और भी ज्यादा दिलचस्प हो जायेंगे तथा इस समय का भाजपा, कांग्रेस और जनता दल (एस) के बीच का इस त्रिकोणीय संघर्ष में एक कोण और जुड़ जायेगा तथा मुकाबला चतुष्कोणीय रूप ले लेगा। दरअसल, आप, ओवैसी की ए.आई.एम.आई.एम. जैसे वोट काटने वाले दलों की मौजूदगी ने एक समृद्ध तथा घटना प्रधान राज्य में चुनाव तथा राजनैतिक विश्लेषकों के लिये चुनावों की तस्वीर को पहले ही अस्त-व्यस्त तथा हैरानी से भरी हुई बना दिया है। भाजपा ने अपना पूरा जोर लगा दिया है कि सत्ता का ''ए.टी.एम.'' कांग्रेस के हाथों में न पहुँचे तथा इस संदर्भ में, एन.सी.पी. का यह निर्णय सत्तारूढ़ दल के लिये मद्दगार हो सकता है। हालाँकि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पवार के ये उम्मीदवार, कांग्रेस, जो कि कर्नाटक में भाजपा को विधानसभा चुनाव में हराने के नजदीक बतायी जाती है, के प्रत्याशियों के ही वोट काटेंगे तथा परोक्ष रूप से भाजपा को मदद ही करेंगे।**
- **पवार, कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमान्तर क्षेत्रों में, जहां मराठी जनसंख्या काफी है, में भी महाराष्ट्र एकीकरण समिति को प्रोत्साहित कर रही है, अपने उम्मीदवार खड़े करने के लिये।**
- **पवार अडानी प्रकरण में जे.पी.सी. के गठन का विरोध करके, एक झटका पहले ही दे चुके हैं कांग्रेस को।**
- **पवार खेमे का इस बारे में कहना है कि, हाल ही में चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार उनका राष्ट्रीय पार्टी होने का ''स्टेटस'' खत्म हो गया है, वे अपना पुराना ''स्टेटस'' पाने के लिये कर्नाटक में अपने उम्मीदवार खड़े कर रहे हैं।**

अतीक अहमद और उसके भाई की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज, 15 अप्रैल। अतीक अहमद और भाई अशरफ की आज गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रयागराज में मैडिकल के लिए ले जाते समय उन्हें गोली मारी गई, जिससे उनकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, अतीक और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पत्रकार बन कर आए तीन लोगों ने उस समय अतीक और उसके भाई को गोली मार दी, जब प्रयागराज में उसे मैडिकल के लिए ले जाया जा रहा था, सारी घटना कैमरा पर रिकॉर्ड हुई है।**

'2019 के चुनाव के ठीक पहले पुलवामा क्यों हुआ?'

विपक्ष ने कश्मीर के पूर्व राज्यपाल के इन्टरव्यू को आधार बनाकर मोदी सरकार पर, लापरवाही, बदइंतजामी जैसे कई आरोप लगाये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के कल के बयान के बाद, नरेन्द्र मोदी सरकार चौतरफा हमलों से घिर गई है। मलिक ने कल कहा था कि 2019 में पुलवामा की घटना के समय, सी.आर.पी.एफ. को एयरक्राफ्ट का उपयोग करने के लिये मना कर दिया गया था तथा उसे सड़क मार्ग से जाने के निर्देश दिये गये थे।

''द वायर'' के करण थापर को दिये गये एक विस्फोटक इन्टरव्यू में, मलिक ने प्रधानमंत्री पर सुरक्षा मामलों में ''लापरवाह'' होने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पुलवामा की घटना केन्द्र सरकार की ''अक्षमता'' तथा गुप्तचर एजेंसियों की ''बड़ी गलती'' के कारण हुई थी। मलिक के आरोपों को दोहराते हुये, कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि उन्होंने ''अपनी व्यक्तिगत छवि को बचाने'' की कोशिश में, पुलवामा से संबंधित प्रश्नों को ''दफन कर देने'' की कोशिशें की थीं। मोदी को संबोधित करते हुये, कांग्रेस ने अपने अधिकृत ट्विटर हैंडल पर कहा कि अगर केन्द्र सरकार ने जवानों को ले जाने के लिये एयरक्राफ्ट उपलब्ध करा दिया होता तो आतंकियों की साजिश नाकाम की जा सकती थी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने कहा कि पूर्व राज्यपाल के बयान बहुत व्याकुल कर देने वाले थे तथा यह घटना भारत को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत खराब स्थिति में प्रस्तुत करेगी।

मलिक ने संबंधित बयान के इस अंश को लेते हुये कहा कि ''प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार के मुद्दों की कोई ज्यादा परवाह नहीं थीं,'' दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि मलिक का बयान इस बात का सबूत है कि ''भ्रष्टाचार (का मुद्दा) भाजपा के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर, सबसे गंभीर आरोप आर.जे.डी. के नेता मनोज झा ने लगाया। उनका आरोप था कि, भाजपा ने 2019 के चुनाव की दृष्टि से हादसा होने दिया और दुखान्तिका के सही कारणों को तो दबा दिया गया, जिससे दुखान्तिका की जिम्मेवारी पाकिस्तान पर थोपी जा सके और भाजपा सरकार की छवि उज्जवल बनी रहे और उस पर कोई कालिख न लगे।**

बेटियों का यौन शोषण करने वाले पिता को 20 साल की सजा

जयपुर, 15 अप्रैल (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने एक नाबालिग बेटी से दुष्कर्म और दूसरी नाबालिग पुत्री से छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त पिता को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अभियुक्त पर चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि पीड़िताओं की मां ने 23 अप्रैल, 2020 को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने पीड़ित नाबालिग बच्चियों की मां की रिपोर्ट पर कार्यवाही की तथा 40,000 रू. का जुर्माना भी लगाया।**

अस्सी वर्षीय कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे के समक्ष भारी दुविधा?

राजस्थान में पार्टी के सामने आये संकट का असली कारण वे समझ तो रहे हैं, पर समाधान को क्रियान्वित करने से पार्टी को होने वाले नुकसान से भी परिचित हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। राजस्थान की कमान कौन संभाले? देश की सबसे पुरानी पार्टी, कांग्रेस के प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को इस प्रश्न ने एक गंभीर दुविधा में डाल दिया है क्योंकि वह कोई ऐसा तरीका ढूढ़ने को लेकर मशक्कत कर रहे हैं, जो ना केवल कांग्रेस को जीत दिलाए बल्कि पार्टी की दोनों असैट्स भी पार्टी के साथ ही रहे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के मुद्दे को जहाँ दोनों प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ियों के बीच की एक गंदी लड़ाई के रूप में चित्रित कर यह बताया जा रहा है कि इससे पार्टी का अंदरूनी तनाव सार्वजनिक हो रहा है, लेकिन वास्तविक समस्या पीढ़ीगत है और इससे राजनीतिक हल, व्यापार तथा उद्योग सभी प्रभावित हो रहे हैं।

पायलट द्वारा इस हफ्ते की शुरुआत में एक दिन के उपवास पर बैठे जाने को एक पार्टी विरोधी गतिविधि करार किया गया और यह वादा किया गया कि जल्द ही एक बड़ी राजनीतिक सर्जरी होने वाली है, लेकिन खड़गे की बुद्धिमता, परिपक्वता और अनुभव ने इस संकट को तुरंत समाप्त कर एक उम्मीद जगाई कि एक ऐसा समाधर ढूंढ़ा जाएगा जो रेगिस्तानी राज्य राजस्थान के दोनों प्रतिद्वंदियों को स्वीकार्य होगा। कई संघर्षों का अनुभव रखने वाले एक सीनियर की भांति खड़गे ने इस संकट का कोई समाधान निकालने के लिए पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को नियुक्त किया है।

खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष तो अब बने हैं, लेकिन पार्टी आलाकमान ने नसे गत वर्ष 27 अक्टूबर को कहा था कि राजनीतिक हलचलों में फंसे एक जहाज को सुरक्षित रूप से आगे ले जाना है। उन्हें अब कई मोर्चों पर लड़ना होगा।

खड़गे असीमित व्यक्तिगत अहंकारों और महत्वाकांक्षाओं के साथ ही आदर्शों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

राजस्थान में कांग्रेस की वास्तविक समस्या यह है कि 70 की उम्र पार कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राजनीतिक संकट की जड़ में है, नयी पीढ़ी को उभरने न देने की प्रवृत्ति। नयी पीढ़ी (सचिन पायलट व उनके युवा समर्थक) सत्ता व संगठन में अपनी उचित हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं।**
- **सचिन पायलट व उनकी युवा टीम की मेहनत ने, 2013 में, धरातल में पहुंची पार्टी, जो विधानसभा चुनाव में कुल 21 सीट पर विजयी हुई थी, को 2018 में 99 सीटों पर जितवाया था तथा कांग्रेस सरकार बना पायी थी। टीम को आशा थी कि, उनके नेता को सरकार का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा।**
- **कांग्रेसाध्यक्ष राहुल गांधी का ऐसा वादा भी था। पर, पुरानी पीढ़ी (गहलोत) युवा को सत्ता सौंपने को कतई तैयार नहीं हुई।**
- **खड़गे जानते हैं कि, 6 महीने बाद होने वाले चुनाव में युवा वर्ग को पूर्ण रूप से, मन से सक्रिय नहीं किया गया, तो, चुनावी जीत की संभावना क्षीण है।**
- **पर, अभी युवा वर्ग काफी रोष में है, क्योंकि उसको उचित हिस्सेदारी साढ़े चार साल में नहीं मिली है।**
- **युवाओं में रोष व पुरानी पीढ़ी (गहलोत) की हठधर्मी के बीच, कांग्रेस की नैया को कैसे खेवें, इसका समाधान निकालना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है, खड़गे के लिये।**

विधायकों की वन-टू-वन मीटिंग

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच सुलह कराने के एक प्रयास के रूप में पार्टी के चुनिंदा विधायकों की जयपुर में 17 और 18 अप्रेल को एक मीटिंग आयोजित की है।

गहलोत और पायलट, दोनों से इस मीटिंग में भाग लेने का अनुरोध किया गया है। पार्टी की अंदरूनी कलह पर विधायकों की राय और उनके सुझाव जानने को लेकर राजस्थान के ए.आई.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मीटिंग में गहलोत व पायलट भी शामिल होंगे, मीटिंग में पार्टी की अन्तर्कलह पर विधायकों से फीडबैक लिया जाएगा।**

कांग्रेस के कोष पर गहलोत का दबदबा, इसलिये पायलट मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे : अमित शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रदेश कांग्रेस में राजनीतिक उथल-पुथल पर तंज कसते हुए कहा कि पायलट भले ही जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं, परन्तु उनको मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी कांग्रेस

भरतपुर में भाजपा के संभाग स्तरीय बूथ सम्मेलन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह (बाएं से पहले) राजस्थान की गहलोत सरकार पर जमकर बरसे।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में भाजपा का संभाग स्तरीय बूथ सम्मेलन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में एमएसजे कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित हुआ। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच जारी टकराव पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, पायलट का नंबर कभी नहीं आएगा। भले ही वे जमीनी स्तर पर बहुत सक्रिय हैं, लेकिन कांग्रेस के खजाने में गहलोत की भागीदारी बड़ी है। गहलोत सरकार ने वंशवाद को बढ़ावा दिया है, जातिवाद को भड़काने का काम किया है।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि राजस्थान की सरकार 3 डी के आधार पर चलती है। पहला डी दंगे का डी, दूसरा डी महिलाओं के साथ दुव्यवहार का डी और तीसरा डी दलितों पर अत्याचार। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि राजस्थान की सरकार 3 डी सरकार है। राजस्थान के अंदर बेरोजगारी बढी है। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट धरना दे रहे हैं। लेकिन अब पायलट का नम्बर नही आने वाला है। कार्यक्रम में केन्द्रीय अर्जुन मेघवाल, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत, केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, सांसद भरतपुर रनजीता कोली, सांसद सवाईमाधोपुर सुखवीर जौनपुरिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेष महामंत्री राजेन्द्र राठौड सहित भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा ने गदा भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 51 किलो की फूलमाला पहना कर स्वागत सम्मान किया।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि आजादी के बाद आई हुई भ्रष्ट से भ्रष्ट सरकारों में एक सरकार गहलोत सरकार है। गहलोत सरकार के कार्यकाल में बडी संख्या में पेपर लीक हुए। इसके बावजूद गहलोत सरकार अभी भी सत्ता चाहती है क्या गहलोत सरकार सेंचुरी लगाना चाहती है। लेकिन राजस्थान की सरकार अब गहलोत सरकार को मौका नहीं देगी। अब कांग्रेस सरकार के जाने का समय निश्चित हो चुका है। गहलोत सरकार जनता के मन से उसी दिन निकल गई जब रामनवमी की शोभायात्रा पर रोक लगा दी गई। राजस्थान की जनता अब चुप नहीं रहने वाली है। राजस्थान की जनता अब त्राहि-त्राहि पुकार रही है। राजस्थान में क्राइम चरम पर है। सुनियोजित दंगे होते हैं, गहलोत सरकार वोट बैंक के लालच में कोई कड़े कदम नहीं उठाती।

- **'राजस्थान की सरकार 3 डी के आधार पर चलती है। पहला डी दंगे का डी, दूसरा डी महिलाओं के साथ दुव्यवहार का डी और तीसरा डी दलितों पर अत्याचार'**
- **केन्द्रीय गृह मंत्री ने गहलोत सरकार के कार्यकाल में महिला अत्याचार, दलित उत्पीडन, पेपर लीक में अव्वल होने का लगाया आरोप**
- **बूथ सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा, संभाग प्रभारी मुकेश दाधीच, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने भी सभा को सम्बोधित किया**

उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि 2023 में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ राजस्थान में सरकार बनाएगी। है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को लेकर कहा कि राहुल बाबा देशभर में पैदल चले। एक पत्रकार सम्मेलन में गया तो पत्रकार ने पूछा नतीजा क्या होगा। मैंने कहा- नॉर्थ-ईस्ट के तीन राज्यों में चुनाव हुए, कांग्रेस का सफाया हो गया। बूथ सम्मेलन में भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि गहलोत सरकार ने बहुत ऊंचाईयों को छुआ है। लेकिन जो विकास नापा है वो विकास का नहीं नापा है। उन्होंने महिला अत्याचार, दलित अत्याचार, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिक उन्माद में बहुत ऊंचाई को छुआ है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार की सरकार चुनाव के बाद भी अल्पमत में थी और अब भी अल्पमत में है। गहलोत सरकार की पार्टी के विधायक उनके खिलाफ हैं। उनके मंत्री आए दिन उनके खिलाफ बयान देते हैं।

बूथ सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि बूथ कार्यकर्ता भाजपा की ताकत हैं। बूथ कार्यकर्ताओं की मेहनत के चलते ही भाजपा इतनी बड़ी पार्टी बनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ साल में देश को विकास की नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है। पिछले नौ साल में योजनाएं चला कर 13 करोड गरीब महिलाओं के लिए मोदी सरकार ने गैस सिलैंडर पहुंचाए। हर घर तक षिक्षा पहुंचाने का कार्य किया, तीन करोड से अधिक घरों में बिजली पहुंचाई। चार करोड से ज्यादा घर गरीबों से बनवाने के लिए शुरूआत की। कोरोना के 230 करोड टीके लगाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देष को सुरक्षित बनाया। उन्होंने विकास के बहुत कार्य किए हैं। कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया, आतंकवाद को समाप्त कर दिया। भारत की जनता की हर आकांक्षाओं की पूर्ति भाजपा पार्टी ने की है। चुनाव कहीं भी हो विजय भाजपा की हो रही है। वहीं दूसरी और राजस्थान में गहलोत और पायलट कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं।

चलती गाड़ी में आग लगी, भाजपा के छह कार्यकर्ताओं ने कूदकर बचाई जान

कार सवार भाजपा कार्यकर्ता बूथ सम्मेलन में शामिल होने के लिए जा रहे थे

भरतपुर, (निसं)। शनिवार को भाजपा के 6 कार्यकर्ताओं की जान उस वक्त बाल-बाल बची जब उनकी चलती गाड़ी में आग लग गई। बीजेपी के कार्यकर्ता अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कॉलेज ग्राउंड आ रहे थे। तभी शीशम तिराहे के पास कार्यकर्ताओं की चलती कार ने अचानक पकड़ ली और ड्राइवर ने कार को रोका और सभी कार्यकर्ताओं ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई।

कार्यकर्ताओं ने कार की आग को बुझाने की काफी कोशिश की गई, लेकिन आग इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई। वैर विधानसभा इलाके के भुसावर थाना इलाके के सिरस गांव के रहने वाले कार्यकर्ता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि, अमित शाह की रैली में शामिल होने के लिए जा रहे थे, कार में 6 आदमी थे। अचानक चलती कार ने आग पकड़ ली, तभी ड्राइवर ने कार को रोका और सभी कार्यकर्ताओं ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। फायर बिग्रेट को फोन भी किया गया, लेकिन अभी तक फायर बिग्रेड नहीं आई।

दरअसल आज कॉलेज ग्राउंड में बीजेपी का बूथ विजय संकल्प कार्यक्रम है, जिसे केंद्रीय अमित शाह कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देंगे। इस कार्यक्रम में संभाग के कार्यकर्ता शामिल होंगे। उसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वैर विधानसभा के भुसावर थाना इलाके में सिरस गांव के रहने वाले 6 कार्यकर्ता ईको कार से कॉलेज ग्राउंड आ रहे थे। तभी शीशम तिराहे पर अचानक चलती कार में आग लग गई।

फूड पॉइजनिंग से 3 लोगों की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। फूड पॉइजनिंग से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। खेत में गेहूं की कटाई करने के बाद इन लोगों ने दोपहर में एक साथ खाना खाया था। उल्टी-दस्त शुरू हुई तो हॉस्पिटल ले जाया गया। इलाज के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है। मामला हनुमानगढ़ का है। थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि पीलीबंगा गांव के रहने वाले कृष्णलाल अपने भतीजों अमित कुमार और हर्षित के साथ गेहूं काट रहे थे। यहां दोपहर को खाना खाने के बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उल्टी-दस्त शुरू हो गए। तीनों को गांव में दवाई दिलवाई गई, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ। देर शाम तीनों को हनुमानगढ़ स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने हर्षित को मृत घोषित कर दिया।

रॉयल्टी कर्मियों की मारपीट में घायल युवक की मौत

बूंदी, (निसं)। हिंडोली थाना क्षेत्र में रॉयल्टी कर्मचारियों की मारपीट में घायल युवक ने 28 दिन बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवक की मौत बाद बीती रात से आक्रोशित परिजन ग्रामीण हिंडोली थाने के बाहर शव को रख प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि मृतक की पत्नी को नौकरी और परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जाए। आरोपियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही हो।

ग्रामीणों का कहना है की हिंडोली पुलिस और बजरी रॉयल्टी ठेकेदार की साठगांठ होने के कारण रॉयल्टी कर्मचारी बहुत दादागिरी और सभी से अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। भाजपा नेता ओम धगाल के नेतृत्व में आज ग्रामीणों ने थाने के बाहर शव रखकर अनशन जारी रखा। ओम धगाल ने कहा कि जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जाती तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। बड़ानयागांव निवासी 38 वर्षीय बजरी चालक हरिसिंह पुत्र नत्थासिंह 16 मार्च को घरेलू काम के लिए जहाजपुर से बजरी भरकर ला रहा था। इस दौरान रॉयल्टी कर्मचारियों ने उसको रोक कर बजरी के रुपए मांगे। रुपए नहीं देने पर 10-12 रॉयल्टी कर्मचारियों ने हथियारों और सरियों से उस पर हमला कर दिया और ट्रैक्टर का पहिया उसके पैर पर चढ़ा दिया। परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसको पहले कोटा और जयपुर रेफर कर दिया था। हमले के 28 दिन बाद शुक्रवार को उसने जयपुर अस्पताल में दम तोड़ दिया।

आक्रोशित परिजनों ने मुआवजे की मांग मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

हिंडोली पुलिस ने जयपुर अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। दोपहर को तहसीलदार असगर अली, पुलिस अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि 18 मार्च को हरि सिंह के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसमें रॉयल्टी ठेकेदार के 10-12 कर्मचारियों के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया था। अब उसकी मौत होने पर मामले में धारा 302 जोड़कर कार्रवाई की जाएगी।

तस्करों व पुलिस में मुठभेड़, तस्कर के पैर में लगी गोली

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा के निकट सिवाना में पुलिस और तस्करों के बीच फायरिंग का मामला सामने आया है। इस दौरान सिवाना पुलिस ने डोडा-पोस्त से भरी तीन स्कॉर्पियों पकडी हैं, जो तस्कर छोड़कर पहाड़ों की तरफ भाग गए। तस्कर और पुलिस के बीच फायरिंग भी हुई। एक तस्कर के पैर में गोली लगी है। घायल तस्कर को सिवाना हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

घटना रमणिया रोड की है। बाडमेर एसपी दिगंत आनंद, बालोतरा डीएसपी निरज शर्मा सिवाना पहुंचे हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डोडा पोस्त से भरी तीन स्कॉर्पियों गाडी रमणीया गांव आ रही है। पुलिस ने सुबह करीब 4 बजे रमणिया-पादरू रोड पर नाकाबंदी की। तस्कर नाकाबंदी तोड़कर अंधाधुंध फायरिंग कर भागने लगने। पुलिस ने पीछा कर गाड़ियों के टायर फोड़े। 6 तस्कर तीनों स्कॉर्पियों छोड़कर पहाडों की तरफ भाग गए, पुलिस ने पीछा किया। तस्करों ने पुलिस पर दोबारा फायरिंग शुरू कर दी। इस पुलिस ने जवाबी फायरिंग कर दी। इसमें एक तस्कर के पैर पर गोली लगी। तस्कर जोगाराम घायल हो गया। पुलिस ने तस्कर जोगाराम और सदर थाना के तस्कर खीयाराम को हिरासत में लिया है।

पुलिस व तस्करों की मुठभेड में घायल तस्कर जोगाराम को सिवाना हॉस्पिटल लाया बालोतरा से जोधपुर रेफर इलाज चल रहा है। वहीं, तस्करों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल भी बरामद की है। वहीं, पुलिस पकडे तस्करों से पूछताछ कर रही है। सिवाना हॉस्पिटल के बाहर बडी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात है। जानकारी के मुताबिक पुलिस तीन स्कॉर्पियों को जब्त किया है। इसमें पुलिस ने दो स्कॉर्पियों को हाइड्रा मशीन से उठाकर ट्रैक्टर ट्रॉली पर लाद कर मोकलसर चौकी पहुंचाया।

पुलिस ने अब तक कुल तीन स्कार्पियों गाड़ी को जब्त कर लिया है। पुलिस व तस्करों के बीच मुठभेड मामले में सिवाना पुलिस ने छह आरोपियों को दस्तयाब किया। जिनसे बालोतरा डीएसपी नीरज शर्मा पूछताछ कर रहे है। वहीं आरोपियों के पास से चार लोडेड पिस्टल पर जब्त की गई।

हादसे में पति-पत्नी की मौत

मनोहरपुर, (निस)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 दिल्ली से जयपुर की ओर मनोहरपुर माधोवेणी नदी पर बनी पुलिया पर दोपहर करीब 2:30 बजे एक ट्रेलर चालक बेकाबू हो गया और शाहपुरा से खरीदारी कर घर लौट रहे बाइक सवार भानपुर कला निवासी योगेश मीणा पुत्र शंकर लाल मीणा उम्र 27 वर्ष व उसकी पत्नी सोनिया मीणा उम्र 25 वर्ष के टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही बाइक सवार योगेश मीणा व उसकी पत्नी सोनिया मीणा की मौत हो गई। जिनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए निम्स में मनोहरपुर थाना पुलिस ने एंबुलेंस के जरिए भिजवा दिया।

बेकाबू ट्रेलर ने बाइक के टक्कर मारने के बाद एक प्राइवेट बस के भी टक्कर मार दी। लेकिन बस चालक संभल गया। वहीं ट्रेलर चालक ने कुछ दूरी पर आगे जाकर अचानक ब्रेक लगा दिया। जिससे पीछे से आ रही एक कार ट्रेलर में जा घुसी। ट्रेलर में जैसे ही कार घुसी तो कार के पीछे से आ रहे ट्रक ने कार के टक्कर मार दी। इस पर कार में सवार तीन लोगों के मामूली चोटें आई। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

अवैध बजरी के डंपर छुड़वाने व पुलिस पर हमले के आरोपी विधायक के दो खास गुर्गे गिरफ्तार

अवैध बजरी का करते थे कारोबार, पूछताछ हो तो सत्ता व बजरी के खेल का हो सकता है खुलासा

बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर कोतवाली थाना पुलिस द्वारा बामनवास विधायक इंदिरा मीणा के दो खासम खास गुर्गों सहित तीन आरोपीयों को अवैध बजरी के भरे डंपर को जबरदस्ती छुड़वाने एवं इस दौरान पुलिस पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अवैध बजरी से भरे डंपर को छुड़वाने के लिए पुलिस पर हमला कर मारने का प्रयास कर फरार हुए सभी आरोपी बामनवास विधानसभा क्षेत्र के बोली उपखंड के रहने वाले हैं। बामनवास विधायक इंदिरा मीणा के खास होने के कारण क्षेत्र में अवैध बजरी के कारोबार में इनका दखल पूरा था। अवैध बजरी के डंपर को छुड़वाने के लिए पुलिस पर हमला कर मारने के प्रयास करने वाला एक आरोपी बत्ती लाल गुर्जर बोली ब्लॉक कांग्रेश का कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुका है। वही दूसरा आरोपी अफजल कांठोस के जिला परिषद सदस्य का पति है। यह सभी आरोपी जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध बजरी खनन परिवहन रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान चौथ का बरवाड़ा वह बोली थाना द्वारा ग्राम डेकवा के पास दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक अवैध बजरी से भरे हुए डंपर को जप्त कर किया था। जहां इन आरोपियों द्वारा बजरी के डंपर को छुड़वाने का प्रयास करने के साथ पुलिस जाब्ते को मारने का प्रयास किया गया।

- **पुलिस पर हमला कर मारने का प्रयास कर फरार हुए सभी आरोपी बामनवास विधानसभा क्षेत्र के बोली उपखंड के रहने वाले हैं**

इसके बाद यह आरोपी पुलिस दबिश को देखकर खुद के थात र बोलेरो वाहन से फरार हो गए। जहां पुलिस द्वारा इनका पीछा करते हुए टोंक जिले की निवाई पुलिस थाने की मदद से निवाई थाना क्षेत्र में ही दस्तयाब कर लिया गया। वहीं अवैध बजरी को लेकर पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के आरोपी बत्ती लाल गुर्जर पुत्र लल्लू राम एवं ओम प्रकाश गुर्जर पुत्र मोहन लाल निवासी हथडोली व अफजल पुत्र अब्दुल मजीद निवासी बोली को गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद लोगों द्वारा पुलिस की पीठ थपथपाते हुए कहा गया है कि जिला पुलिस द्वारा पहली बार सत्ता से गठजोड़ रखने वाले विधायक के खास गुर्गों को अवैध बजरी के अवैध व्यवसाय की संलिप्तता एवं पुलिस पर किए गए हमले के आरोप में में पकड़ा है। यह पहला मामला नहीं है जब विधायक से नजदीकी रखने वाले आरोपी बने हो इससे पहले भी पेपर लीक प्रकरण में भी विधायक से नजदीकी रखने वाले आरोपी रह चुके है।

लोगों द्वारा मांग करते हुए कहा गया कि इन से कड़ी पूछताछ की जाए तो इस अवैध बजरी के खेल में माननीय सत्ता से जुड़े नुमाइंदों की भी पोल खुलेगी। वही लोगों द्वारा जिला पुलिस की सप्ताह से सांठगांठ रखने वाले बजरी माफियाओ पर इस बड़ी एवं पहली बेहतर कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम को राज्य स्तर पर सम्मानित करने की मांग की गई है। साथ ही लोगों द्वारा कहा गया है कि इस पुलिस टीम को इस तरह की मजबूत कार्रवाई के लिए सार्वजनिक अभिनंदन भी किया जाएगा।

कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए युवा आतुर : धारीवाल

- 100 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन
- 'राहत कैम्प में रजिस्ट्रेशन करवा कर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का फायदा उठाएं'

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार के महंगाई से राहत कैम्प में अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का फायदा उठाएं। सरकार ने योजनाएं प्रदेशवासियों को केंद्र की गलत नीतियों के चलते हो रही महंगाई से राहत दिलाने के लिए लागू की हैं। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल कोटा में लगातार हाथ से हाथ जोड़ों अभियान के तहत पद यात्राओं के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर क्षेत्रवासियों को 24 अप्रैल से राज्य सरकार की ओर से आयोजित होने वाले महंगाई से राहत कैंप की जानकारी दे रहे हैं।

साथ ही क्षेत्रवासियों से उनके क्षेत्र में हुए विकास कार्यों पर चर्चा और समस्याओं को सुनकर समाधान के मौके पर ही निर्देश दे रहे हैं। मंत्री धारीवाल की पदयात्रा शहर वासियों के लिए बड़ी राहत बन रही है। पदयात्रा का कारवां पटरी पार क्षेत्र में घर घर पहुंच रहा है। शनिवार को पदयात्रा वार्ड 21 के सरस्वती कॉलोनी के सभी गली मोहल्लों में पहुंची जहां क्षेत्र वासियों ने वार्ड में सीसी रोड नालियां सहित अन्य विकास कार्यों को करवाए जाने पर मंत्री धारीवाल और अमित धारीवाल का आभार जताते हुए स्वागत किया। पदयात्रा के दौरान मंत्री शांति धारीवाल ने वार्ड वासियों के 1250 ई श्रम कार्ड भी वितरित किए।

कोटा में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का लोगों ने स्वागत किया।

पदयात्रा के दौरान मंत्री शांति धारीवाल और पीसीसी सदस्य अमित धारीवाल क्षेत्र के मंदिरों में दर्शन कर सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना कर रहे हैं मंदिर समितियों की ओर से भी उनका स्वागत सम्मान गया। क्षेत्रवासियों से मुखातिब हुए मंत्री धारीवाल आश्वस्त कर रहे हैं कि कोटा का कोई भी वार्ड विकास से अछूता नहीं है हम हर वार्ड को आदर्श वार्ड बनाने की मंशा रखते हैं और इसी उद्देश्य के साथ करोड़ों रुपए के कार्य वार्डो में करवाए गए हैं। पदयात्रा के दौरान महापौर मंजू मेहरा, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष श्याम सिंह जादौन, ब्लॉक अध्यक्ष ललित कुमार, नेवा लाल गुर्जर, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दिनेश खटीक, पार्षद, निशा गौतम, बशीर अहमद हमीद गोड, मंडल अध्यक्ष मुकेश खंगार सहित क्षेत्र के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पटरी पार क्षेत्र के वार्ड 21 में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और पीसीसी सदस्य अमित धारीवाल घर-घर पहुंचकर क्षेत्रवासियों से संवाद कर रहे हैं वही पदयात्रा के दौरान पटरी पार क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया। मंडल अध्यक्ष मुकेश खंगार के नेतृत्व में 100 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया और पदयात्रा में पहुंचे मंत्री शांति धारीवाल और अमित धारीवाल का स्वागत किया। मंत्री शांति धारीवाल ने कांग्रेस जॉइन करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए युवा आतुर हैं और कोटा में जो विकास कार्य हुए हैं उन विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

विप्र फाउंडेशन का बैठक आयोजित

कोटा, (निसं)। विप्र फाउंडेशन की आवश्यक बैठक मंगलेश्वरी गार्डन कोटा में आयोजित की गई। बैठक में विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, विप्र फाउंडेशन जॉन 1 ए के प्रदेश अध्यक्ष के.के. शर्मा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार संयुक्त रूप से बयान जारी कर बताया कि हाड़ौती क्षेत्र को विप्र फाउंडेशन का एक नया जोन घोषित किया गया है, जिसके अंतर्गत हाड़ौती के कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ चारों जिले समाहित रहेंगे।

दोनों पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्पष्ट करते हुए यह बताया कि शनिवार से ही चारों जिलों में विप्र फाउंडेशन की पूर्व कार्यकारिणी को भंग किया जाता है और सभी पदाधिकारियों को पद मुक्त किया जाता है। बैठक में उपस्थित विप्र फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र शर्मा, विकास शर्मा, ब्राह्मण नेता भुनेश्वर शर्मा चच्चू भैया, युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री गिर्राज शर्मा, जिला अध्यक्ष निशांत नंदवाना, महिला प्रकोष्ठ की डॉ राजेश शर्मा, निर्मला जैमन, कोटा जिला अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी, दीपक, रामनरेश शर्मा सहित विप्र फाउंडेशन के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्णय को सहर्ष स्वीकार किया।

सार-समाचार

फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दी

कोटा, (निसं)। प्रदेश में आगामी 24 अप्रैल से शुरु होने जा रहे महंगाई राहत कैंप को ध्यान में रखते हुए कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाने के लिए कोटा दक्षिण विधानसभा प्रत्याशी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव राखी गौतम द्वारा कोटा दक्षिण विधानसभा के अलग-अलग स्थानों पर कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चलकर रथ के माध्यम से घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार को राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दी जा रहीं है।इसी क्रम में आज कोटा दक्षिण के बसंत विहार तांत्या टोपे पार्क व छत्रपुरा विज्ञान नगर आरटीओ ऑफिस से अभियान की शुरुआत की गई जिसके चलते गौतम ने अलग-अलग स्थानों, मोहल्लों व घरों में जाकर स्थानीय लोगों को पोस्टर के माध्यम समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के बारे में बताया तथा लोगों से कैम्प के दौरान आयोजित पंजीकरण मे रजिस्ट्रेशन करवाकर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की गुहार लगाई। गौतम ने कहा कि अमूमन आम लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं होती है ओर जानकारी के अभाव में वह जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाते है। मेरा यही उद्देश्य है कि कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को सरकार द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त हो जिससे की वह एक सकुशल जीवनयापन कर सकें।

ईथॉस अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं में विस्तार

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग के विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करने वाले ईथॉस हॉस्पिटल ने अपनी सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं में विस्तार करते हुऐं न्यूरो सर्जन व न्यूरोलॉजी की सेवाएं हॉस्पिटल में हुई प्रारंभ की है। निदेशक के.के. कटियाल एवं सीए अरविंद गोयल ने बताया कि गोल्ड मेडलिस्ट डीएम डॉ. वैभव सोमवंशी व एमसीएच न्यूरो सर्जन डॉ.कपिल जैन न्यूरोलॉजी विभाग में अपनी सेवाएं ईथॉस अस्पताल को देंगे। अब हाड़ौती संभाग में जटिल से जटिल न्यूरो के केसो के लिए जयपुर व दिल्ली जाने से संभाग की जनता को राहत मिलेगी। उच्च स्तरीय सुविधाओं के युक्ति भवन में सुपर स्पेशलिस्ट न्यूरोलॉजी की सेवाएं मिल सकेगी। निदेशक प्रदीप दाधीच व जितेन्द्र कुमार गोयल ने बताया कि कोई भी रोगी जिसे मिर्गी के दौरे लकवा, कमर दर्द, (डिस्क हिलना), सिर दर्द (माइग्रेन) गर्दन, बांह, कमर एवं टांगों में दर्द है तो वह उचित सलाह ले सकते है। डॉक्टर ब्रेन हेमरेज विशेषज्ञ है,मांस में कड़ापन, नींद में परेशानी,व्यवहार में परिवर्तन, डिप्रेशन, चक्कर आना, बायटे, याददाश्त कम होना चलने में धीमापन नसों संबंधी बीमारी, बेहोशी आना, चलने में लड़खड़ाहट मानसिक तनाव, घबराहट, शरीर के किसी भी हिस्से में सनसनी/झनझनाहट/मांस सूख जाना, हाथ पैर मे कमजोरी, सुन्नपन, झनझनाहट, कंपन बच्चों की दिमागी समस्याएं किसी भी समस्या से ग्रस्ति है तो अपना उचित उपचार ईथॉस हॉस्पिटल से प्राप्त कर सकता है। डॉ. कटियाल एवं प्रदीप दाधीच ने बताया कि डॉ.वैभव सोमवंशी एमपी शाह जामनगर गुजरात, एलएनएम सेंट्रल हॉस्पिटल गोरखपुर और मेडिकल कॉलेज से डीएम न्यूरोलॉजी डिग्री लेने के साथ वर्ष 2021 में बीकानेर चैप्टर से गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

यात्रियों हेतु व्हीलचेअर किया भेंट

कोटा, (निसं)। रेलवे परिचालन विभाग के कोटा मंडल में कार्यरत ट्रेन मैनेजर(गार्ड) विजय शंकर शर्मा की पुत्री इति शर्मा और पुत्र चिराग शर्मा ने अपने पिता के जन्मदिन अवसर पर शनिवार 15 अप्रैल को दिव्याँग, वृद्ध, बीमार रेल यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन निदेशक कोटा जंक्शन एन.के. मीना और स्टेशन प्रबंधक जसवंत सिंह बतरा को सप्रेम अत्याधुनिक व्हीलचेयर भेंट किया। उनके संस्कारी बच्चों ने इस परोपकारी नेक कार्य के द्वारा अपने पिता के जन्मदिन को यादगार किया।इस अवसर पर रेलवे गार्ड लॉबी के मुख्य पर्यवेक्षक गोविन्द शर्मा, सीटीआई उमा शंकर, स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) मोहम्मद अयूब, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक आर के वर्मा , गार्ड वी के सिंह सहित बड़ी संख्या में रेलवे गार्डो ने उनको जन्मदिन पर इस तरह के यात्री सुविधाओं हेतु जन-हित मे किये गये पुण्य कार्य पर हार्दिक शुभकामनायें दी। मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी ने इस पुनीत कार्य के लिए रेलवे ट्रेन मैनेजर का आभार व्यक्त किया एवं जनसम्पर्क अधिकारी रोहित मालवीय ने रेल कर्मचारी द्वारा परोपकारी जनहित कार्य की सराहना करते हुए बताया कि रेल यात्रियों के सुख-सुविधा हेतु स्कीम के तहत स्टील बैन्च, व्हीलचेअर, वाटर कूलर आदि भेंट किये जा सकते हैं।

वाहन चोर गिरोह का सरगना सहित तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कोटा सिटी पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय हाईप्रोफाइल लग्जरी वाहन चोर गिरोह सरगना शेरसिंह उर्फ शेरु उर्फ रतन सिंह धाधरैन व उसके साथ दो अन्य शातिर वाहन चोरो को दिल्ली से गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मारुती एस एंड क्रोस कार बरामद की है। शेरसिह पर राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में लूट, चोरी, वाहन चोरी, डकैती आदि के 4 दर्जन से ज्यादा प्रकरण दर्ज हैं। शहर पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने बताया कि शहर में लग्जरी वाहनों की चोरी के प्रकरणो को चुनौती के तौर पर लेकर वाहन चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश करने के लिये प्रवीण कुमार जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एंव अमर सिंह राठौड़ वृत्ताधिकारी वृत्त प्रथम के सुपरविजन में थानाधिकारी जवाहरनगर वासुदेव सिंह, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में कानि धर्मेन्द्र, गोकुल, हरवेन्द्र, राजेन्द्र, सुनिल, राजु, भागीरथ को शामिल कर विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शेर सिंह थाना बयाना भरतपुर का कुख्यात हार्डकोर अपराधी है इस पर उत्तरप्रदेश के मथुरा, बुलन्दशहर, सिकन्दराबाद एंव मध्यप्रदेश के मुरैना, ग्वालियर, इन्दौर राजस्थान के भरतपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, दौसा, कोटा शहर, भीलवाड़ा, जीआरपी कोटा एंव सवाईमाधोपुर, आदि थानो में 1995 से अब तक वाहन चोरी, लूट, हत्या का प्रयास, राजकार्य में बाधा, फरारी, डकैती सहित आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज है। पुलिस को चकमा देकर शेरसिंह कई बार पुलिस कस्टडी से भाग चुका है। शेर सिंह अपने गिरोह के साथी सदस्यों को हाईटेक कार चोरी करने की ट्रेनिंग दे चुका है। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन से आता है महंगी कार की चोरी करने चंद मिनटों में हाई सिक्योरिटी लॉक तोड कर महंगी कारें उड़ा ले जाता है। हार्डकोर अपराधी पुलिस कस्टडी से कई बार भाग चुका हैं। उन्होंने बताया कि शेर सिंह ने कोटा शहर की जीवन शैली से प्रभावित होकर उसने लग्जरी वाहन चोरी करने के लिये कोटा शहर को चुना। महंगी लग्जरी गाड़ियों को चोरी करने के बाद कानपुर और लखनऊ जैसे शहरों में बेचता था। गिरफ्तारशुदा शेर सिंह व अन्य अभियुक्तो से पुछताछ व विस्तृत अनुसंधान जारी है। उन्होंने बताया कि टीम की मेहनत पर पुलिस महानिदेशक राजस्थान, अतिरिक्त महानिदेशक अपराध शाखा राजस्थान, महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा राजस्थान, पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेन्ज द्वारा प्रशंसा की है। अतिरिक्त महानिदेशक अपराध शाखा राजस्थान द्वारा टीम को 25 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की है।

पुलिस ने अंतर्राज्जीय वाहन चोर के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तलवंडी से चुराई थी टाटा हैरियर-तलवंडी निवासी अक्षित गुप्ता ने टाटा हैरियर कार आरजे 20 सीजे 2466 को 6 अप्रेल को 2023 को मध्यरात्रि को चोरी होने की रिपोर्ट पेश की जिस पर प्रकरण संख्या 93/2023 धारा 379 भादस थाना जवाहर नगर में दर्ज किया गया। ऐसे बनी कार्ययोजना-शहर के व्यस्तम इलाके तलवण्डी से लग्जरी कार चोरी के प्रकरण को चुनौती के रुप में लेते हुये जिला स्तर से सुपरविजन किया गया। गठित टीम ने घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण कर दिन-रात मेहनत करते हुये कार चोरी की वारदात का खुलासा करने के लिये तकनीकी साक्ष्यो को एकत्रित कर प्राप्त आसूचना के आधार पर कई महत्वपूर्ण सुचनाओं का संकलन एंव विश्लेषण किया। टीम द्वारा घटना स्थल से कार को चोरी कर ले जाने के रुट का खाका तैयार किया।

घर के बाहर खड़ी कार के शीशे तोड़े

बून्दी, (निसं)। असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्यवाही नहीं होने से उनके हौसले बुलन्द हो रहे है। इसकी एकबानगी सदर थाना क्षेत्र के नैनवां रोड स्थित रजत गृह कॉलोनी के गेट नंबर 3 में देखने को मिली। जहां केंद्रीय विद्यालय के पीछे रहने वाले निवासी रेवती रमण कटारा के घर के बाहर खडी कार के अज्ञात लोगों ने बीती रात्रि को शीशे तोड दिए।

रेवती रमण जब सुबह उठने पर गाडी के शीशे टूटे हुए मिले। रेवती रमन ने सदर थाना पहुंचकर अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इस तरह गाडी के शीशे टूटे हुए मिलने पर क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि असामाजिक तत्वों पर सक्त कार्यवाही नहीं होने से उनके हौंसले बुलन्द हो रहे हैं। रात के अंधेरें में बाइकर्स कई बार हुल्लड करते हुए निकलते है।

राजस्थान तकनीकी विवि और आई.बी. एम के मध्य एमओयू

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग के विद्यार्थिओं के समग्र उन्नयन की दिशा में आगे बढ़ते हुए विख्यात बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी आईबीएम के साथ कुलपति प्रो.एसके सिंह के निर्देशन में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया हैं।

इस अवसर पर कुलसचिव वीरेंद्र कुमार वर्मा, डीन प्रो.राजीव गुप्ता, डीन प्रो एके द्विवेदी एवं एवं आईबीएम के हेड एकेडमिक पब्लिक रिलेशन गगन अग्रवाल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमल भाटी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर एवं एमओयू का आदान-प्रदान कर तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए व्यापक कार्ययोजना के तहत आपस में मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई। सहायक जनसम्पर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि आईबीएम द्वारा संचालित ऑनलाइन कोर्सेस, मूक कोर्सेस, आईटी क्षेत्र से संबंधित पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या डिजाइन और विकसित करना, इंजीनियरिंग एमसीए और अन्य विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का संचालन, आईबीएम की अनुसूची और अवधि पाठ्यक्रमों के बीच परस्पर सहमति, आईबीएम एमओओसी के लॉन्च की घोषणा, मेजर और माइनर पाठ्यक्रम, प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग, कौशल विकास के नवीन अवसर, आईटी एवं शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन एवं राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इंजीनियरिंग कॉलेज में इनका सफल क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर आईबीएम के साथ सहमती बनी हैं।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

कोटा, (निसं)। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा का दायित्व ग्रहण एवं पदस्थापना समारोह महर्षि दाधीच भवन पर आयोजित किया गया। सचिव मनोज विजयवर्गीय ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष प्रांतीय अध्यक्ष किशन पाठक पदस्थापना अधिकारी भारत विकास परिषद चिकित्सालय के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता तथा विशिष्ठ अथिति समाजसेवी देवकीनंदन ताम्बी रहे। पूर्व अध्यक्ष प्रेम विजय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

सचिव मनोज विजयवर्गीय द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन सुनाया गया। पदस्थापना अधिकारी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा अध्यक्ष हरी ओम विजय सचिव मनोज विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष इन्द्र नारायण शर्मा एवम् शाखा के सभी पदाधिकारी को शपथ दिलवाई गई। कार्यकारिणी को शपथ प्रांतीय संरक्षक ओम प्रकाश विजय द्वारा दिलवाई गई। कार्यक्रम में पधारे परिषद के नए सदस्यों का स्वागत किया गया तथा उनको भी परिषद के आदर्शों की शपथ दिलवाई गई। मुख्य अतिथि संदीप शर्मा ने अपने उद्बबोधन में परिषद के आदर्शों के साथ उन लोगों की सेवा का आव्हान किया जिन्हें वास्तव में इनकी जरूरत है। प्रांतीय अध्यक्ष किशन पाठक ने अपने उद्बबोधन में कहा की हम परिषद के पांच सूत्रीय कार्यक्रम एवम सेवा प्रकल्प को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे इस हेतु कोटा महानगर में परिषद से अधिक से अधिक व्यक्ति जुड़े हमें यह भी प्रयास करना चाहिए। पदस्थापना अधिकारी राजकुमार गुप्ता ने परिषद के पांच सूत्र संपर्क, सहयोग, संस्कार सेवा, समर्पण की विस्तृत विवेचना की तथा कहा की परिषद व्यक्ति निर्माण से राष्ट्रनिर्माण तक सुसंस्कारित भारत के निर्माण का उद्देश्य लेकर कार्य करती है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरी ओम विजय ने अपने उद्बोधन में आगामी सत्र में होने वाले कार्यक्रम के बारे में बताया तथा संकल्प लिया की हम सत्र में अधिक से अधिक सेवा के कार्य करेंगे।

कोटा में भारत विकास परिषद का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया।

श्री भक्तमाल कथा आज से

कोटा, (निसं)। भगवान श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर में पंचम प्राण प्रतिष्ठा (पाटोत्सव) महोत्सव रविवार प्रात: 8 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगा। कलश यात्रा दंडवीर हनुमान मंदिर महावीर नगर-3 से घटोतकच्छ होते हुये मंदिर तक निकलेगी। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा के साथ भक्तों का स्वागत किया जायेगा। पाटोत्सव के लिये मंदिर की विशेष सजावट की गई है। मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष जागेश्वर सिंह चौहान व महामंत्री कुलदीप माहेश्वरी ने बताया कि इस 7 दिवसीय महोत्सव के अवसर पर रंगबाडी रोड पर कम्पीटीशन कॉलोनी स्थित श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर के विशाल पांडाल में 16 से 20 अप्रैल तक श्री भक्तमाल कथा आयोजित की जा रही है। जिसमें वृंदावन के दिव्य संत गौरदास महाराज के श्रीमुख से प्रतिदिन दोपहर 1 से 5 बजे तक ओजस्वी प्रवचन होंगे। समिति के कोषाध्यक्ष गजेंद्र गुप्ता ने बताया कि 21 अप्रैल को मंदिर में ब्रह्म मुहुर्त में श्रीराम मंदिर, वृंदावन के महामंडलेश्वर महंत रघुनाथदास महाराज के सान्निध्य में सहस्त्र घट महाभिषेक होगा, जिसमें वृंदावन, मथुरा, हरिद्वार, काशी विश्वनाथ आदि तीर्थों से 11 प्रमुख दिव्य संत एवं उनके भक्त भाग लेंगे। कोटा से साध्वी नीति अम्बामाताजी, साघ्वी हेमा सरस्वती, थेकड़ा से सनातनपुरी महाराज, मथुराधीश मंदिर से शरदबाबा, ईस्कॉन कोटा के प्रभू मायापुर वासी दास कोटा की प्रथम श्री भक्तमाल कथा में आयेंगे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति मकान नम्बर-42-ए वाके कृष्णा नगर (अल्फा कॉम्पलेक्स) ग्राम कोटड़ी तहसील लाडपुरा जिला कोटा (राजस्थान) में स्थित है, उक्त सम्पत्ति नगर विकास न्यास कोटा से श्री फिरोज खान को जरिये रजिस्टर्ड लीज डीड दिनांक 31.03.2005 को प्राप्त हुई थी, तत्पश्चात श्री फिरोज खान ने मुख्तार आम दिनांक 07.05.2005 को श्री जाहीद खान के पक्ष में कर दिया, तत्पश्चात श्री जाहीद खान मुख्तारआम श्री फिरोज खान द्वारा बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 28.10.2005 को श्री बलवन्त कुमार एवं श्री पवन कुमार के पक्ष में कर दिया, तत्पश्चात श्री बलवन्त कुमार ने 1/2 हिस्सा जरिये रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 13.12.2007 को श्री पवन कुमार के पक्ष में कर दिया, तत्पश्चात बलवन्त कुमार का स्वर्गवास दिनांक 29.05.2005 को हो गया एवं बलवन्त कुमार के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक वारिसान श्री पवन कुमार वसीयतनामा दिनांक 13.12.2007 के अनुसार उक्त सम्पत्ति के संयुक्त रुप से मालिक व काबिज हो गए। जिस बाबत मेरे अभिभाष्य श्री पवन कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल वित्तीय संस्था Shri Ram Housing Finance Ltd. से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालीकाना हक स्वामित्व, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक: 15.04.2023

For: S.R.M. PARTNERS
Off. No. 127 Santwani Sadan
Ballabh Bari RTNER KOTA
Mob. 7737426847, 9414735406

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति दुकान नम्बर-8 वाके श्रीनाथ प्लाजा, पशु चिकित्सालय के सामने बारां कोटा रोड जिला बारां (राजस्थान) में स्थित है, उक्त सम्पत्ति श्री हरिपाड़ा बनर्जी, श्री नन्दलाल लडीया, श्री बनारसी लाल चामरीया, श्री मुरारी लाल शर्मा से जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 11.09.1962 को ताराचन्द को प्राप्त हुआ, तत्पश्चात ताराचन्द का स्वर्गवास हो गया, तत्पश्चात ताराचन्द के विधिक समस्त उत्तराधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार अहुजा, श्रीमती विन्देश, श्रीमती नीलेश अदलक्खा, श्रीमती राजरानी, श्रीमती प्रेम बाई, श्री हंसराज, श्री राजेन्द्र कुमार अदलक्खा एवं श्रीमती पुष्पा अहुजा ने जरिये रजिस्टर्ड रिलिज डीड (हक त्याग) दिनांक 18.03.2022 को श्री देवेन्द्र कुमार अहुजा के पक्ष में कर दिया, तत्पश्चात श्री देवेन्द्र कुमार अहुजा ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 11.04.2022 को श्री पवन कुमार को बेचान कर दिया, जिस बाबत मेरे अभिभाष्य श्री पवन कुमार वित्तीय संस्था Shri Ram Housing Finance Ltd. से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालीकाना हक स्वामित्व, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक: 15.04.2023

For: S.R.M. PARTNERS
Off. No. 127 Santwani Sadan
Ballabh Bari RTNER KOTA
Mob. 7737426847, 9414735406

जेईई मेन संपन्न, अंतिम दिन भी मैथ्स ने उलझाया, कैमेस्ट्री आसान

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जा रही देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के अप्रैल सेशन की परीक्षा का शनिवार को सातवां दिन था और इसी के साथ जेईई मेन अप्रैल सेशन की परीक्षा का समापन हो गया। कोटा में दो केन्द्रों पर इस परीक्षा का आयोजन किया गया था। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी सर ने बताया कि स्टूडेंट्स के फीडबैक व सीसैट पर प्राप्त रिस्पॉन्सेज के आधार पर यह कहा जा सकता है कि सातवें दिन भी मैथ्स ने स्टूडेंट्स को उलझाएं रखा जबकि कैमेस्ट्री सबसे आसान रही। एनटीए द्वारा पेपर तथा रिकॉर्डेड रिस्पॉन्स जारी करने के बाद एलन की एक्सपर्ट्स फैकल्टीज द्वारा पेपर का विस्तृत एनालिसिस कराया जाएगा।

फिजिक्स-विद्यार्थियों से मिले फीडबैक के अनुसार सुबह की पारी में पेपर आसान रहा। कक्षा 11वीं और 12वीं के अधिकांश चैप्टर्स से प्रश्न पूछे गए थे। कक्षा 11वीं के टॉपिक्स से यूनिट डाइमेन्शन, काइनेमेटिक्स वन डी और टू डी, एलास्टिसिटी, केटीजी, लॉज ऑफ थर्मोडाइनेमिक्स, फ्लुइड, एसएचएम, ग्रेविटेशन व स्ट्रिंग वेव से प्रश्न आए। इसी प्रकार 12वीं कक्षा के टॉपिक्स से ज्योमेट्रिकल ऑप्टिक्स, इलेक्ट्रोस्टेटिक्स, कैपेसिटेन्स, करंट इलेक्ट्रिसिटी, एमईसी, ईएमआई, वेव ऑप्टिक्स, मॉडर्न फिजिक्स, सेमीकन्डक्टर्स और प्रिंसीपल ऑफ कम्यूनिकेशन से प्रश्न पूछे गए।

कैमेस्ट्री-सुबह की पारी में कैमेस्ट्री का पेपर आसान रहा। इनऑर्गेनिक कैमेस्ट्री में इन्फॉर्मेशन आधारित व कंसेंप्चुअल प्रश्न आए और ऑर्गेनिक कैमेस्ट्री में अधिकतर प्रश्न रिएक्शन आधारित रहे। जबकि फिजीकल कैमेस्ट्री के अधिकतर प्रश्न न्यूमेरिकल सेक्शन में देखने को मिले। इनऑर्गेनिक कैमेस्ट्री में कोऑर्डिनेशन कैमेस्ट्री से दो प्रश्न, इलेक्ट्रोनिक कॉन्फिगरेशन, एनवायरमेन्टल कैमेस्ट्री, कैमिकल बॉन्डिंग व मेटलर्जी सहित कुछ अन्य टॉपिक्स एक-एक प्रश्न पूछे गए। ऑर्गेनिक कैमेस्ट्री में पीओसी, क्रोमेटोग्राफी से एक-एक प्रश्न, मिक्स रिएक्शन से संबंधित तीन-चार प्रश्न आए। जिसमें एरोमेटिक कम्पाउण्ड, ओजोनोलाइसिस, हाइड्रोलाइसिस, ग्रिग्नेड रीजेन्ट पर फोकस करते हुए पॉलीमर से मैच द कॉलम के प्रश्न पूछे गए। फिजीकल कैमेस्ट्री से कंसन्ट्रेशन ऑफ सॉल्युशन, लिक्विड सॉल्युशन, केमिकल काइनेटिक्स, रिडोक्स रिएक्शन, थर्मोडाइनेमिक्स, आयोनिक इक्विलिब्रीयम तथा इलेक्ट्रोकैमेस्ट्री से प्रश्न पूछा गया।

मैथ्स-सुबह की पारी में पेपर मध्यम स्तरीय होने के साथ-साथ लेन्दी रहा। एलजेब्रा से आठ-नौ प्रश्न आए। जिसमें क्वाड्रेटिक, डिटरमिनेन्ट, मेट्रिक्स, पीएंडसी, प्रोबेबिलिटी, सीक्वेंस सीरीज, कॉम्पलेक्स नंबर्स, बाइनोमियल थ्योरम को कवर किया गया। कैलकुलस में भी आठ-नौ प्रश्न आए। इसमें कन्टीन्युइटी, डेरिवेबिलिटी, डेफिनेट इंटीग्रेशन, डिफरेन्शियल इक्वेशन एवं एरिया अंडर कर्व टॉपिक्स से प्रश्न पूछे गए। इसी प्रकार वेक्टर थ्री डी से चांर प्रश्न आए। जो कि स्ट्रेट लाइन, सर्किल, पैराबोला एवं इलिप्स टॉपिक्स से आए। स्टेटिस्टिक्स, रिलेशन व रीजनिंग से एक-एक प्रश्न आया।

जल मंदिर का शुभारंभ

बूंदी, (निसं)। शनिवार को छत्रपुरा रोड़ पर कलरव सेवा संस्थान की ओर से उमंग मिनरल वाटर के सामने वैशाख मास में शीतल जल की प्याऊ का शुभारंभ किया गया। गर्मी में राहगीरों को राहत के लिये ठंडे पानी का प्याऊ का शुभारंभ राजस्थान बीज निगम के निदेशक चर्मेश शर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया। इस अवसर शर्मा ने कहा कि प्यासे व्यक्ति को पानी पिलाना मानव का सच्चा धर्म है।

विनायक स्थापना से हुआ परशुराम जयंती महोत्सव का आगाज

- क्रिकेट सहित मनोरंजन, खेलकूद प्रतियोगिताएं आज

बून्दी, (निसं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा जिला बूंदी के तत्वाधान में परशुराम वाटिका में विनायक स्थापना कार्यक्रम के साथ परशुराम जयंती महोत्सव 2023 का आगाज हुआ। प्रवक्ता नूतन तिवारी ने बताया कि पं. विष्णु दत्त तिवारी ने वैदिक मंत्रोचार पद्धित से पूजा अर्चना कर गणपति जी को स्थापित कर सभी विप्र बंधुओं द्वारा परशुराम जयंती महोत्सव की सफलता की प्रार्थना की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मिथिलेश दाधीच एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए आगामी रूपरेखा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

विनायक स्थापना कार्यक्रम के दौरान राजेश शर्मा, धनंजय शर्मा, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, नगर अध्यक्ष पीयूष शर्मा, मंथन पंचोली, विकास सनाढ्य, सुनील बॉबी, लोकेश दाधीच, राजेंद्र शर्मा, अशोक बना सहित सभी विप्र बंधु मौजूद रहे।

विनायक स्थापना कर जयंती महोत्सव का आगाज हुआ।

आज से होगी परशुराम डे नाइट क्रिकेट लीग परशुराम जन्मोत्सव के सप्त दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आज 16 अप्रैल से श्री परशुराम जयंती महोत्सव क्रिकेट लीग की शुरुआत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूंदी में प्रात: 7 बजे से होगी। जिसमें खेल प्रभारी मंथन पंचोली शारीरिक शिक्षक आशीष शर्मा पीयूष शर्मा ने बताया की क्रिकेट प्रतियोगिता में 20 टीम भाग लेगी। प्रवक्ता नूतन तिवारी ने बताया कि परशुराम डे नाइट क्रिकेट लीग के लिए विद्यालय के दोनो खेल मैदान में निर्धारित मापदंड के अनुसार क्रिकेट पिच तैयार किया गया हैं। क्रिकेट लीग फाइनल व सेमीफाइनल मैच भी इसी दिन मध्यरात्री तक दुधिया रोशनी की लगी लाईट में खेले जाएंगे।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा महिला मंडल की नैनवां रोड़ स्थित शगुन रिसोर्ट में महिला जिलाध्यक्ष किरण शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में परशुराम जयंती महोत्सव के तहत होने वाली महिलाओं की मनोरंजन, खेलकूद प्रतियोगिताओं को अंतिम रूप दिया गया। प्रतियोगिताओं की मुख्य प्रभारी अनीता शर्मा एवं कुसुम शर्मा ने बताया कि 16 अप्रैल को मनोरंजन खेलकूद प्रतियोगिता परशुराम वाटिका में आयोजित होगी। जिनके लिए खेल सामग्री खेल स्थल पर निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतियोगिताओं में म्यूजिकल चेयर, स्ट्रो इन द बोटल, अंठोजी हिंदी की गिनती, बलून गेम, तीन टांग दौड़, श्री परशुराम भगवान के विषय पर हाउजी इन एंड आउट बोल, बेबी बोल शामिल है। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष रेखा जोशी, साधना श्रृंगी, अरुणा चतुर्वेदी, कीर्ति सुखवाल, अनुपमा तिवारी आदि सदस्य मौजूद रही।

-: राजस्थान आवासन मण्डल :-

अंतिम - सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की विभिन्न योजनाओं मे आवंटियों को मण्डल द्वारा किराया क्रय/नगद भुगतान पद्धतिके अंतर्गत आवास आवंटित किये गए थे इन आवंटियो ने अपने आवास का विक्रय/हस्तांतरण अन्य व्यक्तियों को कर दिया है आवास क्रय करने वाले व्यक्तियों ने आवास का अपने पक्ष में नियमितिकरण करने हेतु वांछित प्रपत्रों सहित आवेदन किया है। अतः निम्न सूची मे सम्मिलित आवास का मूल आवंटी के नाम से निरस्तीकरण करते हुए इनका नियमितिकरण क्रेता के पक्ष में किए जाने की कार्यवाही की जा रही है, इन प्रस्तावित निरस्तीकरण/नियमितिकरण के विरुद्ध कोई हितकारी अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहे तो सूचना प्रकाशन से 15 दिन मे उप आवासन आयुक्त वृत कोटा के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर यह मानते हुए कि इन आवासियों के मूल आवंटियों/हितकार्यो को नियमितिकरण बाबत् कोई आपत्ति नहीं है आवास का आवंटन बिना किसी अन्य सूचना के मूल आवंटियों के नाम से निरस्त कर एंव नियमितिकरण क्रेता के पक्ष में किए जाने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जावेगी।

क्र.स.	मूल आवंटी का नाम	क्रेता का नाम	मकान नं.	कॉलोनी एवं शहर
1.	चन्द्र प्रकाश शर्मा	सीमा	1J9	रंगबाडी
2.	अब्दुल एम. कुद्दूस	राम कैलाश मीणा	8/211	स्वामी विवेकानन्द नगर
3.	चन्द्रकला गुप्ता	अनिता	12/93	स्वामी विवेकानन्द नगर
4.	सुषमा भार्गव	विजय भार्गव	3/114	स्वामी विवेकानन्द नगर
5.	रतन लाल	किशन कुमार	5/74	स्वामी विवेकानन्द नगर
6.	अजीत सिंह	हरिमोहन	9 F 15	महावीर नगर III
7.	विवेक दीक्षीत	सावित्री देवी	10/43	स्वामी विवेकानन्द नगर
8.	मोहम्मद जमील	अंजू विजयवर्गीय	3 M 86	महावीर नगर विस्तार
9.	हरधीर सिंह गंगवाल	रमा मेहता	4/96	स्वामी विवेकानन्द नगर
10.	अनीता कुमारी	मेनाज बानो	9 F 10	महावीर नगर III
11.	नेमीचन्द	अब्दुल रशीद	3 LA 41	विज्ञान नगर
12.	नरेन्द्र शर्मा	राजकुमारी	4 T 26	महावीर नगर विस्तार
13.	दानमल	बंशीलाल	6 F 78	विज्ञान नगर विस्तार
14.	नरेश कुमार	शोएब हसन	2 ग 23	विज्ञान नगर
15.	निसाउद्दीन	रामगोपाल	6 G 68	विज्ञान नगर विस्तार
16.	विवेक	मो. युनुस अंसारी	2 ग 17	विज्ञान नगर
17.	धापू बाई	सुशीला देवी पाराशर	2 E 15	जवाहर नगर बूंदी
18.	मनभर बाई	सुशीला देवी पाराशर	2 E 14	जवाहर नगर बूंदी
19.	अमोलक सिंह	दारा सिंह	1/15	भवानीमण्डी
20.	ममता देवी	गोपाल सिंह सिसोदिया	2/108	लाखेरी

सुजला जिले की मांग को लेकर भाजयूमो के पूर्व अध्यक्ष ने 51 घंटे के लिए भूख हड़ताल शुरू की

आंदोलनकारियों ने सामूहिक निर्णय लेते हुए आंदोलन को और प्रभावी बनाने के लिए 51-51 घंटे की जिला बनाओ भूख हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला जिला बनाने की मांग को लेकर गांधी चौक में चल रहे अनिश्चितकालीन धरने में भाजयूमो के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने 51 घंटे के लिए भूख हड़ताल शुरू की है। विजयपाल श्योराण ने बताया कि उपस्थित आंदोलनकारियों ने सामूहिक निर्णय लेते हुए आंदोलन को और प्रभावी बनाने के लिए 51, 51 घंटे की जिला बनाओ भूख हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया है। साथ ही प्रतिदिन 2 लोग दिनभर से लेकर 24 घंटे के लिए भी क्रामिक भूख हडताल पर भी करेंगे।

रविवार को एक दिन की भूख हड़ताल पर पार्षद मनोज पारीक व रेवंत पंवार बैठेंगे। सुजला महा सत्याग्रह के सह संयोजक किशोर दास स्वामी ने चेताया कि सुजला अंचल के लाखों लोगों के हक अधिकार के लिए आंदोलन जारी रहेगा। यदि भूख हड़ताल आदि आंदोलन के दौरान किसी भी आंदोलनकारियों को कुछ भी हुआ तो उसकी सरकार की रहेगी। वहीं जिले की मांग को लेकर गांधी चौक में आगामी 16 अप्रैल को महिलाओं द्वारा महिला सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। अनिश्चितकाल चल रहे धरने में आरएलपी नेता व पूर्व उपसभापति बाबूलाल कुलदीप के नेतृत्व में जारी धरने में रविंद्र पांडे, महेश माली, अशोक टाक,गिरधारी लाल, शिव भगवान चौहान,गोविंद जोशी,गंगाधर लाखन, दिलीप सिंह, युसूफ गोरी, गोपाल गोड, अमित सोनी, भंवरलाल नायक, राजेंद्र कुमार, श्रीराम भामा, रूपचंद स्वामी आदि शामिल रहे।

सुजला जिले की मांग को लेकर गांधी चौक में चल रहे धरने में भूख हड़ताल पर बैठे नरेन्द्र गुर्जर।

भीलवाड़ा के सांगानेरी गेट क्षेत्र में नलों में आ रहा नाले का गंदा काला पानी

सांगानेरी गेट अंसारी गली में 7 स्थानों पर जलदाय विभाग द्वारा गड्ढे खोद कर छोड़ दिए गए है

भीलवाड़ा, (निसं)। पवित्र रमजान के महीने में भीलवाड़ा शहरी क्षेत्र के सांगानेरी गेट में लोगों के घरों में नलों में नाले का गंदा काला पानी आ रहा है। पानी में इतनी भीषण दुर्गंध है कि उससे हाथ-मुंह भी धुलना मुश्किल हो रहा है। क्षेत्र में तमाम लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी है। क्षेत्र के लोग भीषण गर्मी के इस मौसम में बूंद-बूंद पानी को तरस गए। स्थिति यह है कि कामकाज के लिए तक पानी नहीं है।

नलों में आ रहा काला पानी।

- **नाले का पानी काफी दिनों से सड़क पर और इससे पेयजल की पाइप लाइन के रास्ते से पानी लोगों के घरों में जा रहा है**

सांगानेरी गेट अंसारी गली में 7 स्थानों पर जलदाय विभाग द्वारा गड्ढे खोद कर छोड़ दिए गए है। क्षेत्र के नालों की सफाई न होने से उफान मार रहे है। नाले का पानी काफी दिनों से सड़क पर और इससे पेयजल की पाइप लाइन के रास्ते से पानी लोगों के घरों में जा रहा है। क्षेत्र की रोज़ेदार महिला असीम अख़्तर ने बताया कि जलदाय विभाग की लापरवाही से रमज़ान के पवित्र माह में काले पानी की सजा दी जा रही है। शिकायतों के बाद भी विभाग के लापरवाह अधिकारी इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे।

घरों में काला पानी आ रहा है। देखने में कीचड़ जैसा पानी की इसकी स्थिति को देखकर बाल्टी आदि लगाने की हिम्मत नहीं होती। रमजान के दिनों में शाम को पानी की जरूरतें शुरू हो जाती हैं। मगर, तमाम घरों में बूंद भर पानी भी नहीं था। जलदाय विभाग के अधिकारियों को फोन किया गया मगर उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया। जलदाय विभाग के द्वारा खोदे गए गड्ढों के कारण टैंकर भी गली में नहीं आ पा रहे है ऐसे हालात में लोग कैसे रोजा रखें। लाख शिकायतों के बाद भी अब तक कोई सुनवाई नहीं होती देख आज क्षेत्र की महिलाओं का ग़ुस्सा फुट पड़ा और विभाग के ख़िलाफ़ जमकर नारेबाज़ी प्रदर्शन किया। क्षेत्रवासियों का कहना था कि रमजान का महीना चल रहा है जिसमें लोग इबादत करते हैं अल्लाह पाक से दुआएं मांगते हैं ऐसे में गली से निकलते वक्त गंदे पानी से गुजरते हुए नापाक भी हो जा रहे हैं। यह गली पूरी तरह से मुस्लिमों का बसेरा है जिसमें सैकड़ों मुस्लिम समुदाय के लोग निवास करते हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस लापरवाही के ज़िम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया तो उठा आंदोलन किया जाएगा।

कुकर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

भरतपुर, (निसं)। पॉक्सो कोर्ट संख्या नंबर 2 ने एक नाबालिग मानसिक रूप से बीमार बच्चे से कुकर्म करने वाले आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई और 20 हजार रुपए जुर्माना लगाया। घटना सेवर थाना क्षेत्र की है। आरोपी बच्चे को बहला फुसलाकर घर ले गया और वहां उसके साथ कुकर्म किया।

बच्चे की मां उसे ढूंढती हुई, मौके पर पहुंच गई। उसने आरोपी को बच्चे से गलत काम करते हुए देखा तो आरोपी वहां से भाग गया। घटना 7 फरवरी 2019 की है। सेवर थाना क्षेत्र का रहने वाला एक मानसिक रूप से बीमार 10 साल का बच्चा घर से गेम खेलने के लिए घर से निकला था। तभी उसे घर के बाहर से बच्चे का पड़ोसी रज्जन सिंह (55) साल बच्चे को बहला फुसला कर उसे सुनसान मकान में ले गया। पड़ौसी में मकान में उस समय कोई नहीं था। जिसका फायदा उठाकर रज्जन सिंह ने बच्चे से कुकर्म किया। जब काफी देर तक बच्चा घर नहीं आया तो बच्चे की मां उसे गांव में ढूंढने लगी। तब एक पड़ौसी के मकान से बच्चे के चिल्लाने की आवाज आई तो बच्चे की मां उसके घर में पहुंची। जहां देखा तो रज्जन सिंह उसके मानसिक रूप से बीमार नाबालिग बच्चे से गलत काम कर रहा था। बच्चा अपनी मां को देख चिल्लाने लगा। तब आरोपी वहां से फरार हो गया। बच्चे की मां बच्चे को लेकर घर पहुंची और अपने पति को सारी घटना के बारे में बताया। जिसके बाद बच्चे की मां ने सेवर थाना में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में 22 गवाह सुनने के बाद आरोपी को 20 साल सुनाई गई और 20 हजार का जुर्माना लगाया गया।

भाजपा नेता का कार में शव मिला

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में भाजपा नेता का उनकी कार में अचेत अवस्था में शव मिला। प्रारंभिक अनुसंधान में हृदयाघात से मौत होने की संभावना जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात में नाई थाना क्षेत्र सीतामाता मंदिर के समीप पिछोला झील किनारे खड़ी कार में भाजपा नेता बिच्छीवाड़ा फलासिया हॉल शिव नगर हिरणमगरी निवासी महेन्द्र औदिच्य पुत्र राधाकृष्णा औदिच्य अचेत अवस्था में पडा मिला। इसकी सूचना मिलने पर नाई थानाधिकारी श्यामसिंह रत्नू, एएसआई हरिराम मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर महेन्द्र को एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित करने पर शव को मोर्चरी में रखवाया। महेन्द्र औदिच्य भाजयुवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष तथा भाजपा देहात जिला महामंत्री रह चुके है।

'मुझे राजपूत समाज का साथ मिलता रहा है, आगे भी मिलता रहे'

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजपूत समाज का उन्हें हमेशा साथ और सहयोग मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहे। वे हमेशा राजपूत समाज के साथ रहे हैं और भविष्य में भी साथ ही रहेंगे। देवनानी शनिवार को कुंदन नगर में परमवीर चक्र मैजर शैतान सिंह छात्रावास एवं शिक्षण संस्थान के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारम्भ करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस कार्य पर दस लाख रूपए खर्च होंगे। यह राशि विधायक कोष से स्वीकृत की गई है।

देवनानी ने बताया कि समाज के लोगों द्वारा काफी समय से छात्रावास का जीर्णोद्धार कराने का आग्रह किया जा रहा था। जीर्णोद्धार होने के बाद इस भवन का कायाकल्प हो जाएगा, जिससे राजपूत समाज के छात्र-छात्राओं को यहां ठहरने में सहूलियत मिलेगी। देवनानी ने कहा, जनता की सेवा करने में ना अब तक कोई कसर नहीं छोड़ी है और ना ही भविष्य में छोड़ेंगे। कार्यक्रम में पार्षद डिम्पल शर्मा, छात्रावास अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत, सचिव रणजीत सिंह, पार्षद राजेन्द्र राठौड़, पूर्व पार्षद जे.के. शर्मा,आनंद सिंह राजावत, विक्रम सिंह राठौड़, लोकेन्द्र सिंह, जे.के. शर्मा आदि मौजूद रहे।

- **परमवीर चक्र मैजर शैतान सिंह छात्रावास व शिक्षण संस्थान के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ**

हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परिस देशमुख के द्वारा नशे के खिलाफ पूरे जिले में ऑपरेशन फ्लश आउट और चक्रव्यूह अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत अनूपगढ़ विधानसभा की रावला मंडी के थानाधिकारी आलोक सिंह ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव 10 के डी में हेलीपैड के पास गश्त के दौरान एक व्यक्ति को 6 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है और मुख्य से आरोपी से मोटरसाइकिल भी जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि आज वह अपनी टीम के साथ गांव 10 के डी के पास स्थित हेलीपैड के पास गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया और वह पुलिस की टीम को देखकर घबरा गया। पुलिस ने जब उसे रोक कर उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम अंकित कुमार(23) पुत्र सुशील कुमार कड़वासरा,निवासी 10 के डी, रावला बताया। थाना अधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि अंकित कुमार पर शक होने पर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने मौके पर ही अंकित कुमार को गिरफ्तार कर लिया और परिवहन में उपयोग की जाने वाली बाइक को भी जब्त कर लिया है। मामले की जांच घड़साना पुलिस थाने के एएसआई सुरेंद्र कुमार राणा के सुपुर्द कर दी गई है।

नामान्तरण भरने की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी

जालोर, (कासं)। जालोर जिला मुख्यालय पर नामान्तरण भरने की मांग को लेकर शिव सेना व पीड़ित परिवार का धरना शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा है। जालोर तहसीलदार द्वारा म्यूटेशन नही भरने पर शिव सेना के जिला प्रमुख रूपराज राजपुरोहित के नेतृत्व में पीड़ित परिवार ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौपकर नामान्तरण भरने की मांग की गई।

जालोर शिवसेना द्वारा पिछले चार दिन से लगातार पदाधिकारी पीडितों की मांग पूरी करने के लिए धरने पर बैठे हैं। जिसमें पीड़ित कुयाराम पुत्र तलसारामजी सरगरा, निवासी देसू तहसील आहोर व जिला जालोर का कई महिनों से म्यूटेशन नहीं भरा जा रहा है। जबकि किसी भी प्रकार का न्यायालय से स्टे वगैराह नहीं होने पर भी जालोर तहसीलदार द्वारा मंजूर नहीं किया जा रहा है। पीड़ितों की इस प्रकार की शिकायत को पूरी करने के लिए शिवसेना अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी है। जालोर तहसीलदार पारसमल की हठधर्मिता व राजनैतिक दबाव के चलते म्यूटेशन नहीं भरने से पीड़ित दलित वर्ग का किसान परेशान है।

जालोर में नामान्तरण भरने की मांग को लेकर शिव सेना के कार्यकर्ताओं ने कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

वहीं दूसरी तरफ विजय सोलंकी पुत्र मांगीलाल निवासी-राजेन्द्र नगर, जालोर की जालोर बी, पटवार मण्डल लेटा के खसरा नम्बर 4982 से 4986 में बेचान दस्तावेज अनुसार भूमि का खरीदा किया गया तथा जिसके म्युटेशन के लिए पीड़ित ने तहसीलदार व पटवारी को लगभग दो महिनों से अवगत करा रहा है, लेकिन पटवारी द्वारा बार-बार बोला जा रहा है कि तहसीलदार स्पष्ट मना कर रहे हैं। पीडित हेमाराम पुत्र झालाजी (ख्वास) निवासी थांवला तह. आहोर व जिला जालोर का थांवला में खातेदारी भूमि आई हुई है जिसके खसरा नम्बर 562 है जिसका भी पटवारी द्वारा चार साल से म्यूटेशन नहीं भरा गया। बहुत से म्युटेशन थांवला गांव में पेन्डिग है। वर्तमान में भाद्राजुन तहसील में तहसीलदार पटवारी, व भूमाफियों ने मिलकर कई गरीब किसानों के घर उजाडे हैं। इन्होंने मिलकर किसी अन्य व्यक्ति के नाम भूमि कर हाथों हाथ म्युटेशन भरवाकर बेचाननामा अपने नाम कर लिया। इस के लिए गरीब किसान लोग कई दिनों से जिला कलेक्टर जालोर के कार्यालय पर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन कर रहे है।

धरने में शिवसेना जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित, शिवसेना जिला सचिव शेषनाथ कालबेलिया, शिवसेना जालोर नगर प्रमुख कैलाश वैष्णव, तथा विभिन्न पदाधिकारियों के साथ अन्य सदस्य कुईयाराम, रमेशनाथ, छगन मीणा, जसाराम, हरसन परिहार, कालाराम, रामनाथ सुरेशनाथ, वागाराम, मेवनाथ, भीमाराम कई सदस्य मौके पर मौजूद थे।

ट्रेन की गैलरी में डोडा बरामद

जोधपुर, (कासं)। अहमदाबाद-जम्मूतवी एक्सप्रेस के एसी कोच की गैलरी में 5 किलो डोडा बरामद हुआ है। ट्रेन के एसी कोच के बरामदे में एक लावारिस बैग रेलवे स्टाफ को मिला। स्टाफ ने यह बैग आरपीएफ के सुपुर्द कर दिया। आशंका है कि किसी ने तस्करी की नीयत से बैग ट्रेन में रख दिया। आरपीएफ मामले की जांच कर रही है। बरामद डोडा का वजन करीब पांच किलो है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जितेंद्र मीणा ने बताया कि डीआरएम पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर मंडल की ट्रेनों में टिकट चेकिंग के साथ ही अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। जोधपुर मंडल पर कार्यरत टीटीआई जगदीश दास वैष्णव शुक्रवार रात ट्रेन 19223, अहमदाबाद-जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में जोधपुर से बीकानेर तक एसी कोच में ड्यूटी कर रहे थे।

चालक को बंधक बना ढाई करोड़ के मोबाईल लूटे

उदयपुर, (कासं)। खेरोदा थाना पुलिस ने चालक को बंधक बना कंटेनर में रखे ढाई करोड़ रूपये के मोबाईल लूट की वारदात करने वाले बदमाशों का पिछा कर लूटे गए मोबाईल मय ट्रक जब्त किया। प्रकरण के अनुसार खेरोदा थानाक्षेत्र मैनार गांव के समीप शुक्रवार रात में कंटेनर चालक कामसगंज युपी निवासी राजेश पुत्र राजेन्द्रसिंह को बंधक बनाकर बदमाश खाली ट्रक में ढाई करोड़ के मोबाईल भर कर लूट की वारदात कर फरार हो गए।

सूचना पर खेरोदा थानाधिकारी पवनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने लूट की सूचना मिलन पर नाकाबंदी कर करीब ढाई घंटे में देबारी घाटा माता रोड़ पर लावारिस हालत में खड़े ट्रक जिसमें ढाई करोड़ के मोबाईल रखे जब्त कर प्रकरण कर बदमाशों की तलाश शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि चालक राजेश गत दिनों विभिन्न कंपनियों के करीब ढ ाई करोड़ रूपये के मोबाईल से भरा कंटेनर दिल्ली से लेकर मुम्बई जा रहा था। जहां बीच रास्ते में मैनार गाव के समीप पिछसे से खाली ट्रक लेकर आए बदमाशों ने कंटेनर को रोक चालक को धक्का देकर उसकी सीट पर बैठ कर कंटेनर आगे ले गए। आधा किलोमिटर दूरी पर पहुंच कर चालक को बंधक बना खेत में छोड़ कर कंटेनर में रखे मोबाईल खाली ट्रक में भर कर लेकर रवाना हो गए। इधर चालक राजेश समीप स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचा। जहां मालिक को घटना की जानकारी दी।

- **पुलिस द्वारा पिछा करने पर लूटेरे मोबाईल मय ट्रक छोड़ भागे**

महिला नर्स की संदिग्ध हालत में मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मथुरादास माथुर अस्पताल में कैंसर वार्ड में लगी महिला नर्स की रात को संदिग्ध हालात में उसके किराए के कमरे में मौत हो गई। पड़ौस में ही कंपाण्डर रहता है। जिसने फंदे से शव को नीचे उतारा। बाद में पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंच पुलिस ने मौका मुआयना किया। मृतका कोटा की रहने वाली थी। आज सुबह परिजन कोटा से जोधपुर पहुंचे और कंपाउण्डर पर हत्या का संदेह जताते हुए केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया है। अठिाम अनुसंधान किया जा रहा है। जाहिरा शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले है।

शास्त्रीनगर थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि रात को सूचना मिली कि जी-283 में किराए के कमरे में रहने वाली महिला नर्स 32 साल की रेणु पुत्री राजकुमार प्रतिहार ने पंखे के हुक में चुन्नी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। इस पर पुलिस के आलाधिकारी वहां पहुंचे। मौका मुआयना किए जाने के साथ फोटोठाफी करवाई गई।

थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह के अनुसार मृतका रेणु मथुरदास माथुर अस्पताल में कैंसर वार्ड में नर्स लगी हुई थी। वह जिस मकान जी-283 में किराए पर रहती थी उसके पड़ौस में ही कंपाउण्डर रामकुमार भी रहता है। कमरें की चिटकनी बंद होने पर वह कमरे को खोला गया तो रेणु फंदे पर लटकी थी। बाद में रामकुमार ने फंदे से उतार दिया था और पुलिस को सूचना दी गई।

थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि मृतका तलाकसुदा होने के साथ यहां जोधपुर में तीन साल से नर्स के पद पर कार्यरत थी। हाल में एमडीएम अस्पताल में कैंसर वार्ड में लगी हुई थी। इधर रात को उसके परिजन को कोटा सूचना दी गई। वे आज सुबह जोधपुर पहुंचे और रेणु के पड़ौस में रहने वाले कंपाउण्डर रामकुमार के खिलाफ हत्या की आशंका में केस दर्ज करवाया है। पुलिस कम्पाउण्डर से पूछताछ में जुटी है।

थानाधिकारी जोगेंद्रसिंह ने बताया कि मृतका रेणु के शरीर पर जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले है। प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का ही लगा है। वैसे अग्रिम जांच की जा रही है। कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है।

मृतका के रेणु के पिता आरएसी में प्लाटून कमाण्डर है और कोटा में पदास्थापित है। आज सुबह परिजन समेत अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने आरंभिक तौर पर संदेह जताया है कि मरने से पहले रेणु ने किसी इजेक्शन का डोज लिया होगा। मौके पर सीरिंज भी मिली है। यह डोज थी या नहीं इसका पता लगाया जा रहा है। मौत के कारणों का खुलासा भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही हो पाएगा।

- **पड़ौसी कंपाउण्डर पर हत्या के संदेह में केस दर्ज**

डोडा-पोस्त छिलका सहित दो गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। दूधवाखारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार में 120 किलो ग्राम अवैध डोडा पोस्त छिलका सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यहां जिला पुलिस अधीक्षक चूरू राजेश कुमार मीना आई.पी.एस. ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर, रेंज बीकानेर के द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन फलस आऊट के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू राजेन्द्र कुमार मीना आरपीएस व वृताधिकारी वृत चूरू राजेन्द्र बुरडक आरपीएस के निकट सुपरवीजन में थानाधिकारी दूधवाखारा अल्का विश्नोई उनि. मय जाप्ता ने दौराने नाकाबंदी एक वरना कार से मुलजिमान सरबजीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह निवासी न्यू विकास कॉलोनी, जैल रोड, नाभा, पुलिस थाना नाभा जिला पटियाला, पंजाब और कुलविन्द्र सिंह पुत्र भगत सिंह निवासी रोहटी छन्ना, पुलिस थाना नाभा जिला पटियाला, पंजाब के कब्जा से 120 किलोग्राम डोडा पोस्त छिलका जब्त किया। पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट पुलिस थाना दूधवाखारा में मुकदमा दर्ज किया है। जब्तशुदा डोडा पोस्त छिलका की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये है। प्रथम दृष्टया उक्त डोडा पोस्त छिलका मुलजिमान द्वारा किशनगढ़ से पंजाब ले जाया जाना ज्ञात हुआ है। थानाधिकारी जसवीर कुमार ने बताया की दोनों तस्करों को तीन दिन के रिमाण्ड पर लिया है।

रमजान और बैसाखी पर्व के मौके पर अजमेर दरगाह में लंगर का वितरण

गरीब नवाज की दरगाह में 500 साल पुरानी छोटी देग में आईजी, कलेक्टर व एसपी ने मिलाई चावल और शक्कर

अजमेर, (कासं)। रमजान मुबारक के पवित्र माह और बैसाखी के पवित्र उत्सव पर दरगाह में गुरुनानक दरबार गुरुद्वारा दुबई की ओर से छोटे शाही देग लंगर भोजन तैयार करने और वितरण की पेशकश करके उत्सव का गवाह बना। इस मौके पर अजमेर रेंज के आईजी रुपिंदर सिंघ तथा जिला कलेक्टर अंशदीप व एसपी चूनाराम जाट ने अपने परिवार के साथ मिलकर गरीब नवाज की दरगाह में 500 साल पुरानी छोटी देग में चावल और शक्कर तथा ड्राई फ्रूट्स डालकर अपने हाथों से पकाया।

संयुक्त अरब अमीरात के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कंधारी और चेयरपर्सन बबल्स कंधारी और चिश्ती फाउंडेशन की ग्लोबल इंटरफेथ पीस इनिशिएटिव्स के साथ हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने इस अवसर अजमेर जिला पुलिस महानिरीक्षक रूपिंदर सिंह और अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप सहित पुलिस विभाग और नगर प्रशासन दोनों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक क्षण है, जिसमें शाही देग लंगर खाना बनाने और बांटने में प्रशासन साथ रहा। इस मौक़े पर मौजूद सभी लोगों का हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने खुद्दाम ए ख्वाजा समुदाय के वरिष्ठ सदस्यों और सैयद मुन्नवर चिश्ती, सैयद तारिक चिश्ती, सैयद इमरान ख्वाजाघानी एसबी, सैयद अमन चिश्ती, सैयद महराज चिश्ती, सैयद अफशां चिश्ती सहित अंजुमन सैयद जदघन समिति के वरिष्ठ सदस्यों का स्वागत और स्वागत किया। मौलाना आज़ाद फाउंडेशनए अजमेर इंटरफेथ काउंसिल के अध्यक्ष प्रकाश जैन और सभी धर्मों के वरिष्ठ परिषद सदस्यों के साथ दरगाह के मुख्य प्रवेश द्वार निज़ाम गेट शाही कव्वालों ने सूफी कलाम पेश किया, सम्मानित मेहमानों का स्वागत करते हुए प्रतिनिधिमंडल छोटे शाही देग में चावल, चीनी, सूखे मेवे, शुद्ध घी और अन्य समृद्ध सामग्री डालने के लिए प्रतिनिधियों ने 2000 किलोग्राम भोजन क्षमता वाले कड़ाही को चलाने में मदद की जो 15वीं शताब्दी में लगभग 500 साल पुरानी है।

देग में पकाए जा रहे लंगर को में ड्राइफ्रूट्स डालते हुए आईजी , कलेक्टर, एसपी सहित दरगाह के प्रतिनिधि।

सांप्रदायिक एकता की मिसाल:- छोटा शाही देग शाकाहारी लंगर अजमेर दरगाह शरीफ के साथ-साथ आस-पास के गांवों के पवित्र तीर्थस्थल पर जाने वाले भक्तों की सुविधा के लिए स्थापित किया गया था। शाही देग लंगर के आयोजन के पीछे का उद्देश्य सांप्रदायिक सद्भावना की भावना को बढ़ावा देना और विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच एकता की भावना को बढ़ावा है। पुलिस महानिरीक्षक रूपिंदर सिंह और जिला कलेक्टर अंशदीप दोनों ने सराहना की सभी खुद्दाम ए ख्वाजा गरीब नवाज़ सामुदायिक प्रयासों और ग्लोबल इंटरफेथ डायलॉग और सेवा वर्क्स के हाजी सैयद सलमान चिश्ती द्वारा नेक पहल है।

दुबई में गुरुनानक दरबार गुरुद्वारा साहिब दशकों से अंतर विश्वास सद्भाव और सामाजिक कल्याण गतिविधियों को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने जिला पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ गुरुनानक दरबार गुरुद्वारा दुबई के सुरेंद्र सिंह कंधारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में तत्कालीन बैंक मैनेजर सहित 15 को कारावास

- सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने 22 साल पहले के मामले में सुनाया फैसला
- 1997 से 2000 के दौरान तत्कालीन मैनेजर ने बिना कोई गारंटी लिये ज्यादा लोन लिमिट की मंजूरी दी और बैंक को वित्तीय हानि पहुंचाई

जयपुर, (का.सं.)। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने एसबीबीजे बैंक की पृथ्वीराज रोड शाखा में 22 साल पहले हुए भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में तत्कालीन बैंक मैनेजर संदीप कुमार कौशिक को दो साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त बैंक मैनेजर पर तीन लाख पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जबकि अदालत ने लाभार्थियों सुमन सोमानी, उषा सोमानी, सलिला भंसाली, गिर्राज सोनी, नरेश, अनुराग गुप्ता, सीमा, राजेश सोनी, तारामणी शर्मा, गोपाल कृष्ण, अनुज भटनागर, अनूप शिखा भटनागर, अनूप कुमार गुप्ता एवं वीना चतुर्वेदी को दो-दो साल के कारावास व कुल 14 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं मामले में आरोपी रहे गोविंद नारायण सोनी व संजय भंसाली की ट्रायल के दौरान मौत हो चुकी है।

गौरतलब है कि सन 1997 से 2000 के दौरान तत्कालीन मैनेजर कौशिक ने विभिन्न फर्मो के साझेदारों, स्वामियों, एवं निदेशकों के साथ मिलकर बिना कोई गारंटी लिए ही उन्हें ज्यादा लोन लिमिट की मंजूरी दी और बैंक को वित्तीय हानि पहुंचाई। मामले का खुलासा होने पर चीफ विजिलेंस ऑफिसर रमेश कौल ने 15 जनवरी 2001 को सीबीआई में आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार व फर्जीवाडे की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

स्टेच्यू सर्किल पर धरना आज

जयपुर, (का.सं.)। गुलाबी नगर जयपुर को एक बनाए रखने के लिए सोमवार को स्टैच्यू सर्किल पर शाम 6 बजे धरना दिया जाएगा। ये मुहिम भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कोठारी ने चलाई है।

इसके लिए सभी जयपुर वासियों ने सामूहिक विरोध का कार्यक्रम रखा गया हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर को दो जिलों में बांटकर जयपुर उत्तर और दक्षिण जिला बनाने की घोषणा की थी। उसके बाद से ही जयपुर वासियों के द्वारा जयपुर को एक रखने के लिए यह मुहिम चलाई गई है।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर जयपुर के सेंट्रल पार्क में आर.ए.सी. बैंड ने शाम 6 से 7 बजे तक प्रस्तुति दी। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा की मौजदूगी में हुए बैंड वादन के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। मिश्रा ने बैंड वादन के बाद कलाकारों से मिलकर उनकी हौंसला अफजाई की।

इक्वेटोरियल गिनिया में जयपुर फुट केन्द्र की स्थापना

मध्य अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनिया में जयपुर फुट के केन्द्र की स्थापना के बाद वहां विकलांगों के लिये शिविर लगाया गया।

जयपुर, (का.सं.)। मध्य अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनिया में जयपुर फुट के केन्द्र की स्थापना हो गई हैं। इक्वेटोरियल गिनिया के राष्ट्रपति टियोडोरो ओबियांग गुएमा एमबासागो की पत्नी कोस्टासिया एनसूई ओकोमो, जो इक्वैटोरियल गिनिया की प्रथम महिला कहलाई जाती हैं कि परोपकारी संस्था एफ.सी.एम.एन. और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संयुक्त प्रयासों से इस केन्द्र की स्थापना हुई हैं।

बी.एम.वी.एस.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश मेहता से मुलाकात के दौरान प्रथम महिला ने समिति के प्रयासों की प्रशंसा की। सतीश मेहता ने कहा कि बी.एम.वी.एस.एस. के तकनीशिनों की टीम स्थानीय तकनीशिनों को कृत्रिम पैर बनाने के लिए प्रशिक्षित भी करेगी।

सतीश मेहता ने कहा कि अफ्रीका में बड़ी संख्या में दिव्यांग हैं, जिनके पुर्नवास की आवश्यकता हैं, ताकि वह सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि गत वर्ष मार्च माह में इक्वेटोरियल गिनिया में जयपुर फुट की शिविर लगाया गया था। इस शिविर की सफलता को देखते हुए प्रथम महिला ने अपनी परोपकारी संस्था की ओर से जयपुर फुट से एक एम.ओ.यू. किया, जिसके अन्तर्गत केन्द्र की स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

15 दिन चलेंगे भगवान परशुराम जयंती समारोह के कार्यक्रम

- समारोह 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सम्पूर्ण प्रदेश में आयोजित किया जायेगा।
- विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिष्ठित ब्राह्मण प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा।

जयपुर, (का.सं.)। सर्व ब्राह्मण महासभा एवं अन्य सहयोगी ब्राह्मण संगठनों की ओर से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जयंती समारोह 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सम्पूर्ण प्रदेश में आयोजित किया जायेगा। 15 दिन तक चलने वाले कार्यक्रम में सम्पूर्ण राजस्थान में विभिन्न दिवसों पर भगवान परशुराम जयंती समारोह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि प्रदेश स्तरीय भगवान परशुराम जयंती समारोह का विधिवत शुभारंभ 16 अप्रैल को प्रात: 9 बजे मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर में गणेश निमंत्रण के साथ होगा। इस अवसर पर जयपुर के प्रमुख संत, महंतों की उपस्थिति में एक स्टीकर का विमोचन भी किया जायेगा। साथ ही परशुराम जयंती पर मुख्य समारोह 22 अप्रैल को भगवान परशुराम का श्रृंगार पूजा अर्चना एवं महाआरती भी की जायेगी। 16 से 30 अप्रैल तक उदयपुर, टोंक, बांसवाड़ा, सवाई माधोपुर, डूंगरपुर, दौसा, गंगानगर, चूरू, सीकर, बीकानेर, जालौर, जैसलमेर, कोटा, बूंदी, भरतपुर, धौलपुर, अलवर, झुंझुनूं, माउंट आबू सहित 25 जिलों के एवं 170 तहसील मुख्यालयों पर विभिन्न कार्यक्रम जयंती समारोह के अन्तर्गत आयोजित होंगे।

मिश्रा ने बताया कि 30 अप्रैल को जयंती समारोह के तहत जयपुर में "ब्राह्मण रत्न" सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है। सम्मान समारोह में समाजसेवी, पत्रकार, प्रशासनिक अधिकारी, साहित्यकार, व्यवसायी, चिकित्सक, शिक्षा शास्त्री सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली लब्ध प्रतिष्ठित ब्राह्मण प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा।

'अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य में पांच प्रमुख माइनर मिनरल्स से ही राज्य सरकार को 1321 करोड़ 37 लाख रु. का रेकॉर्ड राजस्व प्राप्त हुआ है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि मैसेनेरी स्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन और लाइमस्टोन बर्निंग माइनर मिनरल्स से 2019-20 की तुलना में 31 मार्च, 23 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में राजस्व में 400 करोड़ रु. की बढ़ोतरी रही है। उन्होंने बताया कि माइंस विभाग द्वारा वैध खनन को बढ़ावा देने और अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई का का ही परिणाम है कि राज्य में माइनिंग क्षेत्र से राज्य सरकार को राजस्व प्राप्ति का नया रेकॉर्ड कायम किया जा रहा है।

पक्षकार से दुष्कर्म करने वाले वकील को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने पुलिस की गिरफ्तारी का डर दिखाकर महिला पक्षकार से दुष्कर्म करने वाले वकील नवल कुमार मीणा को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त वकील पर पचास हजार पांच सौ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त वकील ने हाईकोर्ट में पीड़िता के पक्ष में मुकदमा लड़ कर उसे पुलिस सुरक्षा दिलाई, लेकिन उस आदेश को छिपाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। ऐसे में वकील के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राकेश महर्षि ने बताया कि पीड़िता ने अंतरजातीय विवाह किया था। इसके बाद पीड़िता और उसके पति ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सुरक्षा मांगी थी। यह याचिका अभियुक्त वकील के जरिए पेश हुई थी। वहीं अभियुक्त ने हाईकोर्ट की ओर से सुरक्षा मुहैया कराने के आदेश को छिपा लिया और पीड़िता को गिरफ्तारी का भय दिखाया। इस दौरान अभियुक्त वकील ने पीड़िता के पति को भेजते हुए पीड़िता को अपने साथ रख लिया। वहीं 14 जुलाई 2019 से लेकर 23 जुलाई तक अभियुक्त वकील ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद 27 जुलाई को पीड़िता ने शहर के प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त वकील की ओर से कहा गया कि उसका शिकायतकर्ता युवती के साथ फीस का विवाद हो गया था। ऐसे में उसने बदले की भावना के चलते मामला दर्ज कराया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत में अभियुक्त को सजा सुनाई है।

पेंशन परिलाभ नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर परिषद से सेवानिवृत्त कर्मचारी को सात माह बाद भी पेंशन परिलाभ नहीं देने पर स्वायत्त शासन सचिव और निदेशक सहित पेंशन निदेशक से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश ओमप्रकाश की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि परिषद की ओर से बीस अक्टूबर को ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट के आदेश भी जारी कर दिए गए, लेकिन उसे अभी तक पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए।

रितु शुक्ला ने संवाददाताओं के कार्यों की सराहना की

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय संचार ब्यूरो की अपर महानिदेशक रितु शुक्ला ने आकाशवाणी, जयपुर के समाचार विभाग के अंशकालिक संवाददाताओं का आव्हान किया कि उन्हें केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद करना चाहिए ताकि सरकार की रीति-नीतियों का आमजन तक वास्तविक प्रसार हो सके। शुक्ला आज आकाशवाणी, केन्द्र जयपुर के सभागार में क्षेत्रीय समाचार एकांश के अधिकारियों के साथ ही अंशकालिक संवाददाताओं की एक कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने संवाददाताओं से प्रत्यक्षत: बातचीत कर उनके कार्यों की सराहना की तथा समाचार संकलन के कार्य में आ रही किसी भी समस्या के उचित समाधान का आश्वासन दिया।

इससे पहले समाचार निदेशक नीलेश कालभोर ने अपर महानिदेशक का स्वागत किया और संयुक्त निदेशक, (समाचार) रामखिलाड़ी मीना ने कार्यक्रम का समापन संबोधन दिया। प्रख्यात समाचार वाचिका शीला चावला ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

दिल्ली की लगातार 5वीं हार

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से मात दी

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने विराट कोहली (50) के अर्द्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से मात दी। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में दिल्ली 20 ओवर में 151 रन तक ही पहुंच सकी।

कोहली ने 34 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की सहायता से 50 रन बनाते हुए आरसीबी को मजबूत शुरुआत दी, हालांकि टीम का मध्यक्रम इसका लाभ नहीं उठा सका। शुरुआती 12 ओवर में 110 रन बनाने वाली आरसीबी मध्यक्रम की असफलता के कारण अंतिम आठ ओवर में 64 रन ही जोड़ सकी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम पर 175 रन का मामूली लक्ष्य भी दिल्ली के लिये बहुत बड़ा साबित हुआ। दिल्ली ने अपने तीन विकेट मात्र दो रन के स्कोर पर गंवा दिये, जबकि 53 रन पर उनकी आधी टीम पवेलियन लौट गयी। मनीष पांडे ने 38 गेंद पर पांच चौकों और एक छक्के के साथ 50 रन बनाये लेकिन उनके आउट होते ही मेहमान टीम की सभी उम्मीदें भी समाप्त हो गयीं। यह आईपीएल के पांच मैचों में दिल्ली की पांचवीं हार है और वह अब भी अंक तालिका में खाता नहीं खोल सकी है।

आरसीबी ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए कोहली-फाफ डु प्लेसिस की जोड़ी की मदद से एक बार फिर चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आक्रामक शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिये 42 रन की साझेदारी हुई ही थी कि मिचेल मार्श ने डु प्लेसिस को आउट कर दिया। डु प्लेसिस ने 16 गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 22 रन बनाये और उनका विकेट गिरने के फौरन महिपाल लोमरोर भी आउट होने से बाल-बाल बचे। लोमरोर ने शून्य रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिये 47 रन की साझेदारी की। दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर ने कोहली की कमज़ोरी का फायदा उठाने के लिये स्पिनरों को गेंद सौंपी लेकिन कोहली ने स्ट्राइक रेट से जुड़ी आलोचनाओं को शांत करते हुए 33 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया। पचासा पूरा होते ही कोहली ललित यादव की फुलटॉस गेंद को दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फील्डर के हाथों में खेलकर पवेलियन लौट गये। कोहली का विकेट गिरने के बाद लोमरोर और ग्लेन मैक्सवेल ने कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन दिल्ली ने विकेट चटकाते हुए मैच में वापसी की। लोमरोर 18 गेंद पर दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हो गये, जबकि अगले ओवर में अक्षर पटेल ने दो छक्के खाने के बाद हर्षल पटेल का शिकार किया। कुलदीप यादव ने 15वें ओवर की पहली दो गेंदों पर मैक्सवेल (14 गेंद, 24 रन) और दिनेश कार्तिक (शून्य) का विकेट लिया। आरसीबी का स्कोर पलक झपकते ही 117/2 से 132/6 हो गया। आरसीबी ने मध्यक्रम के धराशाई होने के बाद अनुज रावत को इम्पैक्ट प्लेयर बनाकर मैदान पर उतारा लेकिन वह पारी को अपेक्षित तरीके से खत्म नहीं कर सके।

रावत ने शाहबाज़ अहमद के साथ सातवें विकेट के लिये 42 रन की साझेदारी की, जिसमें शाहबाज़ ने 12 गेंद पर 20 रन का योगदान दिया। रावत ने एक चौके के साथ 15 रन बनाये, जिसके लिये उन्होंने 22 गेंदें खेलीं। कुलदीप चार ओवर में 23 रन के बदले दो विकेट लेकर दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे। मार्श (दो ओवर, 18 रन) को दो विकेट हासिल हुए, जबकि ललित यादव (चार ओवर, 29 रन) और अक्षर पटेल (तीन ओवर, 25 रन) ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। दिल्ली ने 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो रन पर ही तीन विकेट गंवा दिये। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की खराब फॉर्म जारी रही और वह पहले ओवर में रनआउट हुए। वेन पार्नेल ने दूसरे ओवर में मिचेल मार्श को आउट किया, जबकि यश ढुल तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज का शिकार हो गये।

वॉर्नर ने शुरुआती झटकों के बावजूद पावरप्ले में आक्रामक रुख अपनाना चाहा और 13 गेंद पर चार चौकों सहित 19 रन बनाने के बाद वह भी पवेलियन लौट गये। अभिषेक पोरेल (पांच) के आउट होने के बाद अक्षर और पांडे ने कुछ देर तक संघर्ष किया। अक्षर 14 गेंद पर 21 रन बनाकर आउट हो गये। पांडे ने 14वें ओवर में वानिंदू हसरंगा को दो चौके और एक छक्का जड़कर अपना अर्द्धशतक पूरा किया, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद हसरंगा ने उन्हें पगबाधा आउट किया।

ललित यादव (सात गेंद, चार रन) और अमन हाकिम खान (10 गेंद, 18 रन) के रूप में दिल्ली का आठवां और नौवा विकेट 18वें ओवर तक गिर गया। वॉर्नर की टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, हालांकि आनरिक नॉर्खिया और कुलदीप यादव ने आपस में 15 गेंदें खेलकर टीम की इज्जत बचाई। नॉर्खिया ने 14 गेंद पर चार चौके लगाते हुए 23 रन बनाये, जबकि कुलदीप छह गेंद पर सात रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली का अगला मुकाबला 20 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ है। अब तक टूर्नामेंट में दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद निराशाजनक रही है। कोच रिकी पॉन्टिंग की टीम को अगले मुकाबले से पहले अपनी चिंताओं का निवारण करना होगा।

एक मैदान पर सर्वाधिक टी-20 अर्द्धशतक बनाने का रिकॉर्ड कोहली के नाम

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के मैच के दौरान टी20 क्रिकेट में एक स्थल पर सर्वाधिक अर्धशतक दर्ज करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। कोहली ने आरसीबी के घरेलू मैदान पर अपना 25वां टी20 अर्धशतक जमाकर यह कीर्तिमान रचा, जबकि इससे पहले यह रिकॉर्ड नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में 24 अर्धशतक जड़ने वाले एलेक्स हेल्स के नाम था। आरसीबी के पूर्व कप्तान ने 33 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, हालांकि वह 34 गेंद 50 रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

आईपीएल 2023 में कोहली एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर तीन मैचों में तीन अर्द्धशतक बना चुके हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 44 गेंद पर 61 रन बनाने से पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 82 रन बनाकर अपने अभियान की शुरुआत की थी। कोहली ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 22 अर्द्धशतक और तीन शतक बनाए हैं। यह स्थल आईपीएल में कोहली के लिये एक यादगार मैदान रहा है क्योंकि उन्होंने यहां 2,539 रन बनाए हैं, जिसमें 19 अर्द्धशतक और तीन शतक शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, कोहली बेंगलुरु में पांच मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बना सके हैं। उन्होंने चैंपियन्स ट्रॉफी 2011 के दौरान इस मैदान पर दो अर्द्धशतक बनाये थे।

बुमराह ने सर्जरी के बाद रिहैब शुरू किया

मुंबई, 15 अप्रैल। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड में सफलतापूर्वक कमर की सर्जरी करवाने के बाद बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शनिवार को बताया कि बुमराह को दर्द से राहत मिल गयी है और विशेषज्ञ डॉक्टर ने उन्हें छह हफ्ते तक रिहैब प्रक्रिया से गुज़रने की सलाह दी है। शाह ने कहा, "जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी की, जो सफल रही और वह दर्द से मुक्त हैं। विशेषज्ञ ने तेज गेंदबाज को सर्जरी के छह सप्ताह बाद अपना रिहैब शुरू करने की सलाह दी और तदनुसार, बुमराह ने शुक्रवार से बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैब प्रबंधन शुरू कर दिया है।" उल्लेखनीय है कि बुमराह सितंबर 2022 के अंत से क्रिकेट से दूर रहे हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू शृंखला के जरिये पिच पर वापसी की कोशिश की, लेकिन उनकी पीठ में दर्द के कारण ऐसा नहीं हो सका। वह पिछले महीने पीठ की सर्जरी के लिये न्यूजीलैंड रवाना हुए जिसके कारण उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून को होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से हटा दिया गया।

सिकंदर, शाहरुख ने दिलाई पंजाब को जीत

लखनऊ, 15 अप्रैल। कप्तान सैम करन (31/3) की चतुर गेंदबाजी के बाद सिकंदर रज़ा (41 गेंद, 57 रन) के शानदार अर्द्धशतक और शाहरुख खान (10 गेंद, 23 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को दो विकेट से मात दी। सुपरजायंट्स ने कप्तान केएल राहुल (74) के अर्द्धशतक की मदद से पंजाब के सामने 160 रन का लक्ष्य रखा। पंजाब ने यह लक्ष्य आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर हासिल कर लिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने बेहतरीन अनुशासन का प्रदर्शन करके सुपरजायंट्स के बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। राहुल ने सुपरजायंट्स के लिये सर्वाधिक 74 रन बनाये, लेकिन उन्होंने इसके लिये 56 गेंदें खेलीं। लक्ष्य का पीछा करते हुए रज़ा ने पंजाब के लिये 41 गेंद पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाये, हालांकि 18वें ओवर में उनके आउट होने के बाद भी पंजाब जीत से 21 रन दूर थी।

युवा बल्लेबाज शाहरुख ने अपनी टीम को लक्ष्य तक ले जाने का जिम्मा लिया। उन्होंने अपनी 23 रन की महत्वपूर्ण पारी में 10 गेंद पर एक चौका और दो छक्के जड़े। पंजाब को आखिरी ओवर में सात रन चाहिये थे और शाहरुख ने शुरुआती दो गेंदों पर दो-दो रन भागने के बाद तीसरी गेंद पर चौका जड़कर पंजाब की विजय पताका लहराया।

दिवाली के आसपास आयोजित हो सकता है डब्ल्यूपीएल 2024

मुंबई, 15 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को अगले साल दिवाली के आसपास आयोजित करने पर विचार कर रहा है। डब्ल्यूपीएल का आयोजन त्योहारों के समय करने से यह टूर्नामेंट भारतीय पुरुष टीम के अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकरा सकता है, लेकिन बीसीसीआई का मुख्य लक्ष्य डब्ल्यूपीएल और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीच फासला रखना है। इस साल 26 मार्च को डब्ल्यूपीएल समाप्त होने के महज़ पांच दिन बाद 31 मार्च को आईपीएल की शुरुआत हो गयी थी। क्रिकबज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई आईपीएल की तरह डब्ल्यूपीएल में भी होम एंड अवे प्रारूप की शुरुआत करेगा जिसके अनुसार टीमें अपने आधे लीग मैच घरेलू मैदान पर और बाकी लीग मैच विपक्षी टीम के शहर में खेलेंगी। क्रिकबज़ ने जय शाह के हवाले से शुक्रवार को कहा, "हम डब्ल्यूपीएल को होम एंड अवे प्रारूप में दिवाली के आसपास आयोजित करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। साल में दो (डब्ल्यूपीएल) सीजन नहीं होंगे, सिर्फ एक ही सीजन अलग समय पर होगा।"

कांग्रेस में सीज़फायर-विधायक और कांग्रेसजनों से होगा 3 दिन तक वन-टू-वन संवाद

पायलट के दौरे के पोस्टर में शामिल हुईं मुख्यमंत्री और पी.सी.सी. अध्यक्ष की फोटो, डोटासरा ने किया गुटबाजी से इंकार

जयपुर, 15 अप्रेल (का.प्र.)। सरकार के कामकाज और योजनाओं को लेकर जनता में क्या रुझान है। इसे लेकर अब सत्ता और संगठन ने पार्टी विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ वन टू वन संवाद का फैसला लिया है और 17 से लेकर 20 अप्रैल तक यह कार्यक्रम चलेगा। इस दौरान 1 दिन की कार्यशाला का भी आयोजन रखा गया है। वहीं दूसरी ओर लगता है कि सचिन पायलट मसले को लेकर उठा बवाल शांत हो गया है और पार्टी में सीज़फायर के संकेत मिल रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी में किसी भी गुटबाजी से इनकार किया। सचिन पायलट के 17 अप्रैल को शाहपुरा और खेतड़ी दौरों के कार्यक्रम के लिए आज जारी पोस्टर में

- 17 से 20 अप्रैल तक मुख्यमंत्री गहलोत पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा और प्रभारी रंधावा करेंगे वन-टू-वन संवाद, 19 अप्रैल को बिरला सभागार में कार्यशाला होगी।

मुख्यमंत्री गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और प्रभारी रंधावा सहित कांग्रेस नेताओं के फोटो हैं, जो बता रहे हैं कि मामला शांत हो चुका है। इधर 17 अप्रेल से 20 अप्रेल तक जयपुर में फीडबैक बैठकों का दौर चलेगा और सरकार के कामकाज और योजनाओं का जमीनी फीडबैक लिया जाएगा। फीडबैक बैठकों के जरिए विधायकों, पार्टी के नेताओ, कार्यकर्ताओं से पूछा जाएगा कि सरकार के कामकाज को लेकर जनता क्या सोचती है? फीडबैक कार्यक्रमों में बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों और निर्दलीय विधायकों को भी बुलाया गया है। कार्यक्रम के अनुसार 17 अप्रेल को अजमेर संभाग के अजमेर, टोंक, नागौर, भीलवाड़ा के और जोधपुर संभाग के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर के कांग्रेस विधायकों से वन टू वन फीडबैक लिया जाएगा।

अगले दिन 18 अप्रेल को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद डोटासरा व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा उदयपुर संभाग के उदयपुर, चित्ताड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद के साथ कोटा संभाग के कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ और भरतपुर संभाग के भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिले से आने वाले कांग्रेस विधायकों से भी वन टू वन संवाद करेंगे।

वहीं 20 अप्रेल को बीकानेर संभाग के बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ के साथ-साथ जयपुर संभाग के जयपुर, अलवर, दौसा, सीकर और झुंझुनूं जिले के विधायकों से वन टू वन संवाद किया जाएगा। वहीं सरकार की योजनाओं और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा होगी।

3 दिन के संवाद कार्यक्रमों के बीच सरकार के कामकाज की जमीनी हकीकत परखने और प्रमुख योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए 19 अप्रेल को बिड़ला सभागार में भी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एआईसीसी और पीसीसी सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी, सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मंत्री, विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी रहे नेता, जिलाध्यक्षों, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी पंचायत और स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। जिसमें 24 अप्रेल से लगने वाले महंगाई राहत शिविरों को लेकर भी उन्हें जानकारी दी जाएगी। इधर सचिन पायलट मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हमारी पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। मिल बैठकर बात कर लेंगे। हम सब एकजुट हैं और एकजुटता के साथ ही चुनाव में जाएंगे। कांग्रेस ने ओबीसी विभाग के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि कहा कि हमारी पार्टी में कोई झगड़ा नहीं है, ज्यादा झगड़े तो बीजेपी में हैं।

भाजपा ओबीसी का अपमान कर दिया जबकि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता ओबीसी का भला सोचते हैं। अमित शाह के दौरे को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा का फोकस केवल चुनाव और सत्ता पर है। उन्हें गरीब, युवा, बेरोजगार, किसान किसी का ध्यान नहीं है। ईस्टर्न कैनाल परियोजना पर भाजपा कुछ नहीं बोल रही है। यह योजना 13 जिलों से जुड़ी हुई है। ईआरसीपी को राष्ट्रीय योजनाओं नहीं बना रहे हैं, इसका जवाब अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी को देना चाहिए।

पायलट के शाहपुरा व खेतड़ी दौरे के कार्यक्रमों के लिए आज जारी पोस्टर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के फोटो शामिल किए गए हैं, इससे राजनैतिक हलकों में अटकलों का बाज़ार गर्म है कि, पार्टी में "सीज़फायर" है और सब शांत हैं। खुद डोटासरा ने भी पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि, कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'2019 के..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राथमिकता नहीं है।" आर.जे.डी. नेता मनोज झा ने कहा कि "पुलवामा घटना की असली सच्चाई अब सामने आ रही है। पुलवामा की घटना 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले ही क्यों? घटी जनता अब सब समझने लगी है।"

इसके साथ ही, आर.एस.एस. नेता राम माधव ने मलिक द्वारा मानहानि का बयान दिये जाने को लेकर, उन्हें एक कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस की प्रतिक्रिया में, पूर्व राज्यपाल ने क्षमा याचना की माँग को खारिज कर दिया है।

थापर के साथ सम्पन्न हुये इन्टरव्यू में, पूर्व राज्यपाल ने आर. एस. एस. के उस नेता के रूप में राम माधव को नाम लिया था, जिसने दो फाइलों को स्वीकृत करने के लिये उनसे कहा था, जिसके 300 करोड़ की रिश्वत उन्हें दी जा सकती थी। माधव ने इस आरोप को "असत्य तथा (उन्हें) बदनाम करने वाला" कहा है।

भ्रष्टाचार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं: आप मेरी मदर करें और मैं आपकी मदद करुं ये दोनों राजनैतिक संकट के समय एक-दूसरे की मदद करते हैं और ठीक यही वो बिन्दु है जिस पर अमित शाह निशाना साध रहे हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय की बी.ए. प्रथम वर्ष की भूगोल परीक्षा का पेपर लीक

चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा के सेठ आर.एल. सहरिया पीजी महाविद्यालय में हुआ है पेपर लीक

चौमूं / कालाडेरा, 15 अप्रैल (निसं) । प्रदेश में रीट, कांस्टेबल, जेईएन परीक्षा के पेपर लीक के बाद एक बार फिर पेपर लीक की घटना सामने आई है। इस बार राजस्थान यूनिवर्सिटी के बी.ए. प्रथम वर्ष भूगोल विषय का पेपर लीक हुआ है।

शनिवार को सुबह 11:00 बजे से लेकर 2:00 बजे तक बी.ए. (प्रथम वर्ष) के भूगोल विषय की परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने से 15 मिनट पहले 10:45 पर ही पेपर सोशल मीडिया ग्रुप पर आ गया।

जैसे ही मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से पेपर वायरल होने की जानकारी मिली तो तुरंत युनिवर्सिटी प्रशासन जांच में जुट गया। जिस महाविद्यालय के सेंटर से सोशल मीडिया पर पेपर को वायरल किया गया । उस महाविद्यालय को यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सूचना दी । साथ ही यूनिवर्सिटी प्रशासन के निर्देश के बाद कॉलेज प्रशासन ने सोशल मीडिया पर पेपर को वायरल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई ।

- महाविद्यालय में प्राइवेट वीक्षक द्वारा सोशल मीडिया पर पेपर को वायरल करने की बात सामने आई।
- कॉलेज प्रशासन ने पुलिस थाने में दी लिखित रिपोर्ट, पुलिस जांच में जुटी।

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कालाडेरा कस्बे में स्थित सेठ आर.एल. सहरिया पीजी महाविद्यालय में शनिवार को 11:00 बजे से बी.ए. प्रथम वर्ष की भूगोल विषय की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान परीक्षा होनी थी। पर परीक्षा के 15 मिनट पहले 10:45 पर ही पेपर सोशल मीडिया ग्रुप पर वायरल हो गया। पेपर वायरल होने की सूचना मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन के द्वारा इस मामले को लेकर कालाडेरा थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं चौमूं विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो गई है।

प्रदेश में तीस जिले फिर करोना संक्रमण की चपेट में

राज्य में शनिवार को 419 नए संक्रमित मिले हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान में एक बार फिर करोना संक्रमण तेज रफ्तार से फैलता जा रहा है। इसके चलते फिलहाल राज्य के 30 जिले इसकी चपेट में आ चुके हैं। इधर शनिवार को प्रदेश में 419 नए संक्रमित मिले हैं।

- जयपुर, अलवर और झुंझुनूं में करोना से तीन लोगों की मौत हो गई है।
- जालोर, बाड़मेर और करौली ही ऐसे जिले हैं, जहां फिलहाल न कोई नया संक्रमित है और न ही एक्टिव केस मौजूद हैं।

वहीं इस बीच तीन लोगों की इस बीमारी से मौत भी हुई है।

प्रदेश के तीन जिले बाड़मेर, जालोर और करौली को छोड़कर बाकी सभी 30 जिलों में करोना संक्रमण एक बार फिर फैल चुका है। ये तीन जिले ऐसे है जहां फिलहाल न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

उधर शनिवार को प्रदेश के 25 जिलों में 419 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले शुक्रवार को राज्य में 397 रोगी पाए गए थे। इधर आज भी सबसे ज्यादा 132 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं।

राजधानी में 8 महीने बाद करोना के 100 से ज्यादा मामले सामने आए है। इससे पहले पिछले साल 31 अगस्त को 128 मरीज मिले थे। इसके अलावा आज उदयपुर में 51, अजमेर में 36, डूंगरपुर में 31, अलवर में 26, पाली में 22, जोधपुर में 19, बीकानेर में 15, प्रतापगढ़ में 12, झालावाड़ में 11, भरतपुर में 10, बांसवाड़ा व गंगानगर में 8-8, राजसमंद व सिरोही में 5-5, कोटा, चित्तौड़गढ़ व झुंझुनूं में 4-4, जैसलमेर, सीकर व टोंक में 3-3, बूंदी, नागौर व धौलपुर में 2-2 और चूरू में 1 नया संक्रमित मिला है। प्रदेश में शनिवार को 122 मरीज ठीक हुए हैं।

हालांकि नए संक्रमित अधिक होने से एक्टिव केस बढ़कर 2058 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 627 मामले जयपुर में हैं।

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर, अलवर और झुंझुनूं में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9680 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

बेटियों का यौन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रांसपोर्ट नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अभियुक्त के साथ उसकी शादी वर्ष 2003 में हुई थी। उसके तीन लड़कियां और एक लड़का है।

करीब एक साल पहले उसकी बड़ी लड़की ने उसे बताया कि पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। वहीं छोटी बेटी ने भी पिता द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की बात कही थी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त पिता को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं ट्रायल के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसने अपनी पत्नी को किसी अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। पत्नी के उस व्यक्ति से नाजायज संबंध भी थे।

जब उसने अपनी पत्नी को ऐसा करने से रोका तो पत्नी ने उसे रास्ते से हटाने के लिए बेटियों से मिलीभगत कर मामला दर्ज करा दिया। यदि उसने वास्तव में दुष्कर्म किया होता तो रिपोर्ट एक साल बाद दर्ज नहीं कराई जाती।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने कहा कि कोई भी मां अपनी नाबालिग बेटियों की प्रतिष्ठा और गरिमा को इस तरह दाव पर नहीं लगा सकती।

शरद पवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन.सी.पी. नेता प्रफुल्ल पटेल ने इस निर्णय को घुमाकर प्रस्तुत करते हुये कहा है, "हमें अपने राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे को पुन: प्राप्त करने के लिये कुछ कदम तो उठाने ही पड़ेंगे।" उनकी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के लिये "अलार्म घडी" चुनाव चिन्ह माँगा था तथा चुनाव आयोग ने उसे उपकृत कर दिया हैं अब एन.सी.पी. कर्नाटक के महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा वाले क्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिये महाराष्ट्र एकीकरण समिति से बातचीत कर रही है। ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र में मराठी लोगों की अच्छी खासी संख्या है। यह सुनिश्चित है कि चुनावी मैदान में एन.सी.पी. के उतरने की कीमत उसके अपने ही मित्र दल, कांग्रेस को ही चुकानी होगी तथा इसके चलते, दोनों दलों के बीच के संबंधों में खटास आ सकती है। देखना यह है कि क्या इससे विपक्षी एकता के वे प्रयास प्रभावित होंगे या नहीं, जो भाजपा की ताकत से टकराने के लिये किये जा रहे हैं। एन.सी.पी. नेता शरद पवार ने विधानसभा चुनावों से संबंधित अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिये एक मीटिंग बुलाई है। एन.सी.पी. के नेतागण इस कदम को पार्टी के राष्ट्रीय दर्जे को फिर से हासिल करने के लिए उठाया गया कदम बता रहे हैं। ज्ञातव्य है कि एन.सी.पी. का राष्ट्रीय दल का दर्जा अभी-अभी, गोवा, मेघालय तथा मणिपुर विधानसभा चुनावों में उसके खराब प्रदर्शन के कारण, रद्द कर दिया गया है।

श्रीगंगानगर सबसे गर्म, पारा 42.1 डिग्री पर पहुंचा

बीकानेर, 15 अप्रैल (कासं)। कुछ दिन पहले तक हो रही रिमझिम बारिश से परेशान बीकानेर संभाग के निवासी अब उसी बरसात का इंतजार कर रहे हैं।

दरअसल तब खेत में बारिश और ओलावृष्टि फसलों को नुकसान पहुंचा रही थी और अब सूर्यदेव ने तल्खी दिखाई है। बीते चौबीस घंटों में बीकानेर संभाग राज्य में सबसे ज्यादा गर्म रहा।

श्रीगंगानगर में जहाँ तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं, बीकानेर आंशिक रूप से पीछे रहा। बीकानेर में अधिकतम तापमान 41.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा चूरू और हनुमानगढ़ में भी लोग गर्मी के थपेड़े सहन करने को मजबूर हो रहे हैं।

पश्चिमी राजस्थान में माउंट आबू को छोड़कर सभी जिलों में तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है।

- दूसरा स्थान 41.9 सैल्सियस के साथ बीकानेर का रहा।
- समूचा बीकानेर संभाग गर्मी से त्रस्त है। दिन का ही नहीं रात का तापमान भी सामान्य से बहुत ज्यादा है।

हनुमानगढ़ के संगरिया में तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में, 18 व 19 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ फिर से सक्रिय होगा, जिससे बीकानेर संभाग में बारिश हो सकती है। ऐसे में गर्मी से भी कुछ राहत मिलेगी, लेकिन तब तक तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहेगा। अगले दो दिन तक बीकानेर में पारा एक से दो डिग्री सेल्यिस बढ़ सकता है।

ना सिर्फ दिन में, बल्कि रात में भी गर्मी ने हाल बेहाल करना शुरू कर दिया है। बीकानेर में न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बाड़मेर में न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री पर रूका। यहां दिन में पारा चालीस के पार है और रात का तापमान तीस डिग्री की ओर बढ़ रहा है। कहा जा रहा है कि, आने वाले दिनों में बीकानेर में न्यूनतम तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, सत्रह अप्रैल तक तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी।

विधायकों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सी.सी. प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मीटिंग में भाग ले सकते हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ तथा ए.आई. सी.सी. महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल भी मीटिंग में भाग लेंगे क्योंकि कमलनाथ तो पार्टी नेतृत्व द्वारा कहा गया है कि वह पार्टी को एकजुट करने में मदद करें, जबकि वेणुगोपाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य होने के नाते मीटिंग में हिस्सा लेंगे। डोटासरा ने इस पर जोर दिया कि कांग्रेस के भीतर कोई मतभेद नहीं हैं तथा मुद्दों को एक साथ बैठक्र सुलझा लिया जाएगा। भाजपा की पूर्व सरकार पर पायलट द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यह वास्तविकता है कि वसुंधरा राजे सरकार भ्रष्ट थी, तभी तो कांग्रेस सत्ता में आई। उन्होंने राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सैद्धांतिक रूप से सहमत कांग्रेस के एक नए फार्मूले का भी खुलासा किया। इसके अनुसार इस प्रकार की नियुक्तियाँ तीन माह के भीतर कर दी जाएंगी, क्योंकि इनमें विलम्ब होने के कारण ही पार्टी में मतभेद उभरे हैं।

राहुल के यूट्यूब चैनल की व्यूअरशिप घटी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। कांग्रेस ने अपने नेता राहुल गांधी से संबंधित यू-ट्यूब वीडियोज़ का दमन किए जाने की शिकायत करते हुए गूगल की पितृ कम्पनी "एल्फाबेट" को एक पत्र लिखा है। गूगल को लिखे गए पत्र के साथ ही देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी, कांग्रेस ने स्वयं द्वारा की गई एक रिसर्च को साझा करते हुए दावा किया है कि अडानी विवाद को लेकर दिए गए अपने संबोधन के बाद राहुल के यू-ट्यूब चैनल के वीडियोज़ की व्यूअरशिप प्रति सप्ताह 6 मिलियन से 3 मिलियन तक गिरी है।

पार्टी ने राहुल गांधी के वीडियोज़ की एक्सैस को लेकर एल्फाबेट के सी.ई.ओ. सुन्दर पिचाई को पिछले सप्ताह ही एक पत्र भेजकर इस मामले में जाँच कराने का अनुरोध किया था, क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल के वीडियोज़ की व्यूअरशिप प्रति सप्ताह 10 मिलियन तक बढ़ी थी।

- पार्टी ने इसे साजिश करार दिया और कहा कि, संसद में राहुल गांधी ने अडानी पर बोला था, उसके बाद केन्द्र सरकार ने गूगल पर दबाव डालकर राहुल के यूट्यूब चैनल का दमन किया है। पार्टी ने इस बारे में गूगल के सी.ई.ओ. सुंदर पिचई को पत्र लिखा है।

ए.आई.सी.सी. डेटा एनैलैटिक्स के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती ने पिचाई को लिखे एक पत्र में दावा किया कि लोकसभा में अडानी को लेकर की गई विवादास्पद स्पीच के बाद राहुल के यू-ट्यूब चैनल की व्यूअरशिप में अचानक से एक रहस्यमयी गिरावट आई है, जबकि उक्त स्पीच को लोकसभा के रिकॉर्ड से भी हटा गिया गया था।

एक पत्र में कहा गया कि इतने उतार-चढ़ाव का क्या कारण है? निश्चित रूप से विवादास्पद स्पीच के बाद व्यूअरशिप में अचानक आई गिरावट कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट रूप से एक दमन है, खासतौर पर उस स्थिति में जबकि तटस्थ माने जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ही विपक्ष के स्वरों की कवरेज करने वाले एकमात्र संस्थान रह गए हैं।

अस्सी वर्षीय कांग्रेसाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके गहलोत, जो कि रिकॉर्ड तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, अपने उन युवा साथियों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं है, जिनकी मेहनत के बल पर पार्टी वर्ष 2018 में पुन: सत्ता में आई थी। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सत्ता से हाथ धो बैठी थी और 200 सदस्यीय विधानसभा में वह 75 सीटें खोकर 21 पर सिमट गई थी।

पार्टी का नेतृत्व करते हुए पायलट ने कड़ी मेहनत की और पार्टी को 100 सीटों तक पहुंचाया। गहलोत ने पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया कि उन्हें एक और मौका दिया जाए। उन्होंने वादाकिया कि वे बीच के सीट छोड़ देंगे ताकि पायलट मुख्यमंत्री बने और वर्ष 2023 के चुनावों में पार्टी का नेतृत्व कर सके।

राजनैतिक हालात बदल गए क्योंकि 2019 में भाजपा आम चुनाव जीत गई और राजस्थान में कांग्रेस गहलोत के नेतृत्व में एक भी सीट नहीं जीत पाई। तब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने हार की जिम्मेवारी ली और पार्टी अध्यक्ष पद त्याग दिया। सोनिया गांधी को अंतरिम मुखिया बनना पड़ा। बगावत, अवज्ञा, धोखा पार्टी में रोज की बात बन गई है। केन्द्रीय नेतृत्व की परिवर्तन करने की क्षमता भी संदेह के घेरे में आ गई। हताशा मे पायलट ने 2020 में गलती कर दी और बगावत कर दी। वे 14 विधायकों के साथ मुख्यमंत्री की और पार्टी की अवज्ञा कर विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए। उनके इस कदम का भाजपा के साथ मेलजोल के रूप में देखा गया, हालांकि तब भी वे अपना हक मांग रहे थे।

राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया और संकट "डिफ्यूज" हो गया। पायलट से एक बार फिर वादा किया गया कि उचित समय पर उनका उचित हक उन्हें मिलेगा। गहलोत कुर्सी खाली करने के मामले में कभी गंभीर दिखाई नहीं दिये, जबकि उनसे राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का नेतृत्व करने के लिये भी कहा जा रहा था। एक चतुर और चालाक राजनैतिक नेता, जो वे हैं, के रूप में, गहलोत ने केन्द्रीय नेतृत्व के साथ चालबाजी की तथा पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व खीजता और झुँझलाता रह गया।

खड़गे के सामने बड़े मुश्किल चयन हैं लेकिन वे इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि कोई भी पार्टी युवाओं और युवा-सुलम ऊर्जा के बिना आगे नहीं बढ़ सकती, हालाँकि अनुभव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। समय गहलोत के पक्ष में नहीं है तथा पायलट को यह बात अच्छी तरह जान लेनी जाहिये, लेकिन प्रश्न यह है कि पहले आँख कौन झपकायेगा, पहले कौन झुकेगा तथा इसका उत्तर तो खड़गे को ही देना होगा। 80-वर्षीय नेता की असली परीक्षा यही होगी।

पथ संचलन के दौरान लाठी रखने की अनुमति नहीं'

चेन्नई, 15 अप्रैल। तमिलनाडु पुलिस ने (आरएसएस) को पथ संचलन (रूट मार्च) निकालने की उच्चतम न्यायालय से अनुमति देने के कुछ दिनों बाद शनिवार को कहा कि, इस दौरान संघ कार्यकर्ताओं को लाठी ले जाने, किसी भी व्यक्ति, जाति या धर्म का गीत गाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने शीर्ष अदालत के आदेश के आधार पर आरएसएस को रविवार को राज्य भर में 45 स्थानों पर अपना पथ संचलन निकालने की अनुमति दे दी। राज्य के पुलिस महानिदेशक सी. सिलेंद्र बाबू ने सभी शहरों एवं जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भेजे पत्र में उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा है।

राष्ट्रपति चुनाव फिर से लड़ेंगे बाइडन

डबलिन, 15 अप्रेल। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि, वे राष्ट्रपति पद के होने जा रहे चुनाव में फिर से मैदान में उतरेंगे। आयरिश राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन प्रसारक आरटीई ने शनिवार को सूचना दी।शुक्रवार आधी रात को आयरलैंड से रवाना होने से पहले बाइडन ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने का मन बना लिया है और जल्द ही औपचारिक अभियान की घोषणा करेंगे।

बाइडन बुधवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर डबलिन पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने अपने आयरिश समकक्ष माइकल डी हिगिंस से मुलाकात की और आयरिश प्रधान मंत्री लियो वराडकर के साथ बातचीत की।

अतीक अहमद और उसके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अशरफ पर दो से तीन बदमाशों ने फायरिंग की है। अतीक को गोली मारने वाले बदमाश मीडियाकर्मी बन कर आए थे, गोली चलाने के बाद हमलावरों ने सरेंडर कर दिया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। ज्ञातव्य है कि 13 अप्रैल को अतीक अहमद के बेटे असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या पर योगी के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की पहली प्रतिक्रिया सामने आई हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने बिना नाम लिए कहा कि पाप-पुण्य का हिसाब इसी जन्म में होता है। अतीक और अशरफ पुलिस की कस्टडी में थे। पुलिस टीम ने माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को लेकर आज कई जगहों पर छापेमारी की थी।

जापान के प्रधानमंत्री पर बम फेंका

सरकार के सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला

टोक्यो, 15 अप्रेल। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को शनिवार को वाकायामा शहर में एक भाषण के दौरान उन पर फेंके गए धुआं बम विस्फोट के बाद वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। स्थानीय मीडिया ने यह रिपोर्ट दी है।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने पुलिस सूत्रों का हवाले से बताया कि, वाकायामा शहर में एक बंदरगाह पर किशिदा पर पाइप जैसा बम फेंकने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। एनएचके फुटेज में नजर आ रहा है कि जोरदार धमाके के बाद क्षेत्र में धुंआ फैल गया और लोगों की भीड़ को भागते हुए देखा गया है। इसी दौरान पुलिस अधिकारियों ने संदिग्ध को पकड़ कर जमीन पर बैठा दिया। क्योडो न्यूज और अन्य मीडिया आउटलेट के अनुसार किशिदा पर करीब 11:30 बजे धुंए वाला बम फेंका गया, जब वह प्रतिनिधि सभा के उपचुनाव के समर्थन में भाषण देने जा रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि, घटना के बाद प्रधानमंत्री को तुरंत कवर लिया और घटनास्थल से सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्हें कोई चोट या क्षति नहीं पहुंची है। क्योडो न्यूज रिपोर्ट के अनुसार घटना के बाद किशिदा वाकायामा प्रांतीय पुलिस मुख्यालय में हैं और उनके भाषण को रद्द कर दिया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब जापान अगले महीने हिरोशिमा में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले उत्तरी साप्पोरो और नागानो के करुइजावा शहर में ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) मंत्रिस्तरीय बैठकों की मेजबानी करने वाला है।

- यह भी बताया जा रहा है कि, यह एक धुआं बम था, इसलिए ज्यादा क्षति नहीं हुई।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908